ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 346 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

21 जून 2026 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

37.3 अधिकतम

24.6 न्यूनतम

राहुल गांधी और डोनाल्ड ट्रम्प... अजब-गजब कारनामों के दो सियासी किरदार

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतांत्रिक देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी। एक दक्षिणपंथी राष्ट्रवाद का चेहरा है तो दूसरा फैमिली पार्टी में तब्दील हो चुकी देश की सबसे पुरानी पार्टी यानी कांग्रेस के उत्तराधिकारी। दोनों की विचारधारा अलग होने बावजूद दोनों की राजनीतिक कार्यशैली में ग़ज़ब का साम्य है। ट्रम्प के बेतुके फ़ैसले उनके अपने देश को ही नहीं दुनिया को चौंकाते हैं । राहुल के फैसले उन कांग्रेसियों को हैरान करते हैं जो आज भी कांग्रेस के मूल वैचारिक पिंड पर खड़े हैं। दोनों में एक बात भी कॉमन है वो यह कि वे ज़्यादा देर या दिनों तक अपनी बात पर क़ायम नहीं रहते। दोनों बड़बोलेपन से भरे हैं । ट्रम्प के फैसलों में राष्ट्रहित के साथ उनकी फ़ैमिली का बिजनेस भी छुपा रहता है । राहुल गांधी के फ़ैसले राजनेता के कम एक्टिविस्ट जैसे ज्यादा होते हैं । दोनों में एक साम्य यह भी है कि वे अपने ग़लत फैसलों या सियासी पैंतरों में सुधार के लिए तैयार नहीं होते ।

आज की कांग्रेस को समझने के लिए उसके इतिहास की ओर लौटना आवश्यक है। महर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन को कांग्रेस के अंतिम प्रभावशाली राष्ट्रवादी-दक्षिणपंथी अध्यक्ष के रूप में देखा जाता है। उनके बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू ने प्रधानमंत्री के साथ-साथ कांग्रेस अध्यक्ष का दायित्व भी संभाला और पार्टी की वैचारिक दिशा धीरे-धीरे समाजवादी तथा वामपंथी प्रभाव की ओर बढ़ती चली गई। 1962 में चीन के हाथों मिली पराजय ने उस दौर की विदेश और सुरक्षा नीति पर गंभीर प्रश्न खड़े किए। 1969 में कांग्रेस के विभाजन के बाद इंदिरा गांधी ने वामपंथी दलों के समर्थन से अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत की। इसके बाद लंबे समय तक शिक्षा, इतिहास लेखन और सांस्कृतिक संस्थानों में वामपंथी विचारधारा का प्रभाव बढ़ता गया। बीच में नरसिंहराव दौर आया जिसके दौरान कांग्रेस को महात्मा गांधी की सोच वाले वैचारिक पिंड पर लौटाने की कोशिश हुई। लेकिन गांधी परिवार के भक्तों ने उसे सिरे से ख़ारिज करके ही दम लिया । राहुल गांधी उसी वैचारिक यात्रा के नवीनतम प्रतिनिधि हैं, जो एक विदेश से आयातित वामपंथी विचारधारा पर निर्भर हो चुके हैं। कांग्रेस के औपचारिक अध्यक्ष भले मल्लिकार्जुन खड़गे हों, लेकिन वास्तविक राजनीतिक निर्णयों का केंद्र आज भी गांधी परिवार ही है। प्रियंका गांधी की सक्रियता बढ़ी है, किंतु अंतिम राजनीतिक दिशा राहुल गांधी के इर्द-गिर्द ही तय होती दिखाई देती है। उनके सलाहकारों की टीम

मीडिया विमर्श में सक्रिय अवश्य है, लेकिन कई बार उनकी राजनीतिक रणनीति जनता के बीच अपेक्षित प्रभाव पैदा नहीं कर पाती। मेरी चिंता राहुल गांधी के व्यक्तित्व से अधिक उनकी राजनीतिक शैली को लेकर है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना आवश्यक है, लेकिन यदि हर संस्था - संसद, चुनाव आयोग, न्यायपालिका और संवैधानिक व्यवस्था अगर लगातार संदेह के घेरे में खड़ी कर दी जाए, तो उसका प्रभाव केवल सरकार पर नहीं, लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर भी पड़ता है। विपक्ष का दायित्व केवल असहमति दर्ज कराना नहीं, बल्कि एक विश्वसनीय वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी होता है। अब यदि अमेरिका की ओर देखें तो ट्रम्प का राजनीतिक सफर भी कम विवादास्पद नहीं रहा। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रवाद को नई ऊर्जा दी, लेकिन साथ ही अपनी कार्यशैली के कारण अमेरिका की वैश्विक साख पर भी प्रश्न खड़े करवा दिए। उनके दूसरे कार्यकाल से पहले अमेरिकन फर्स्ट पालिसी इंस्टिट्यूट (एएफपीआई) जैसे संस्थानों ने राष्ट्रवादी एजेंडे को व्यवस्थित रूप दिया। किंतु मेरी दृष्टि में ट्रम्प की सबसे बड़ी भूल यह रही कि उन्होंने कई मौकों पर अपनी विदेश नीति और अपने पारिवारिक व्यावसायिक हितों के बीच पर्याप्त दूरी बनाए रखने का संदेश नहीं दिया। पाकिस्तान के प्रति बदलता रवैया हो या पश्चिम एशिया में अचानक बदलती प्राथमिकताएँ, इन सबने अमेरिका के परंपरागत सहयोगियों को असहज किया है। इतिहास इसका अंतिम मूल्यांकन करेगा, लेकिन प्रश्न उठ चुके हैं। यहीं मुझे ट्रम्प और राहुल गांधी के बीच एक रोचक समानता दिखाई देती है। दोनों कई मौकों पर दूसरों से ज़्यादा खुद के लिए ख़तरा बन जाते हैं । ट्रम्प ने राष्ट्रपति के नाते दुनिया में अपने देश की साख पर दाग लगाए तो राहुल गांधी की कार्यशैली ने इनकी खुद की फ़ैमिली पार्टी कांग्रेस की साख को आहत किया। दोनों की राजनीति विचारधारा से अधिक व्यक्तित्व पर केंद्रित होती जा रही है। भारत और अमेरिका जैसे लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति से न बने हैं और न किसी एक व्यक्ति से समाप्त होंगे। लेकिन इतिहास यह अवश्य बताता है कि जब राजनीति संस्थाओं से ऊपर व्यक्तियों के इर्द-गिर्द घूमने लगती है, तब लोकतंत्र की जड़ें कमजोर होने लगती हैं। नेताओं का मूल्यांकन चुनावी जीत-हार से नहीं, बल्कि इस आधार पर होना चाहिए कि उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं को कितना मजबूत किया।

यह लेख ट्रम्प या राहुल गांधी के समर्थन अथवा विरोध में नहीं, बल्कि लोकतंत्र के भविष्य को लेकर है। व्यक्तियों की लोकप्रियता क्षणिक होती है, लेकिन संस्थाओं की विश्वसनीयता ही किसी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होती है। जो नेता इस सत्य को समझेंगे, वही इतिहास में सम्मान पाएंगे। जो नहीं समझेंगे, उनका मूल्यांकन भी इतिहास उतनी ही कठोरता से करेगा।

50 ओवर क्रिकेट में रिकॉर्ड तोड़ा

11 गेंदों में फिफ्टी, 29 गेंदों पर 94 रन की पारी

दांबुला, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी ने 50 ओवर की क्रिकेट में सबसे तेज हाफ सेंचुरी बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वैभव ने श्रीलंका-ए के खिलाफ अभी चल रहे ट्राई सीरीज के फाइनल में 29 बॉल पर 94 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों पर हाफ सेंचुरी पूरी कर ली।

वैभव से पहले इस फॉर्मेट की फास्टेस्ट हाफ सेंचुरी श्रीलंका के कौशल्य वीरात्ने ने बनाई थी। उन्होंने 2006 में रागामा क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए 12 बॉल पर फिफ्टी पूरी की थी। सीनियर लेवल पर 50 ओवर की क्रिकेट में दो तरह के मैच होते हैं। लिस्ट-ए और वनडे इंटरनेशनल। हर वनडे इंटरनेशनल अपने आप में एक लिस्ट-ए मैच भी होता है। वनडे इंटरनेशनल में फास्टेस्ट फिफ्टी एबी डिविलयर्स ने बनाई है। उन्होंने 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 15 बॉल पर 50 रन पूरे कर लिए थे। चालू मैच में श्रीलंका-ए के खिलाफ इंडिया-ए ने 30 ओवर के बाद 3 विकेट के नुकसान पर 229 रन बना लिए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की धूम... इस बार की थीम 'योग फॉर हेल्दी एजिंग'

पीएम मोदी बोले... आज दुनिया का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव बन गया है योग

योग कार्यक्रम का संदेश... 70 की उम्र में 50 साल जैसी सेहत का टारगेट रखें

कोलकाता, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज कोलकाता में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह शामिल में हुए। उनके साथ 35 हजार लोगों ने मिलकर योगासन किए। उन्होंने कहा- हमारा लक्ष्य 40 साल की उम्र में 20 साल की उम्र से ज्यादा लचीले होना, 50 साल की उम्र में 30 से ज्यादा ऊर्जावान और 70 की उम्र में 50 साल से ज्यादा स्वस्थ रहना होना चाहिए।

पीएम ने कहा कि आज योग दुनिया का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव बन चुका है, जो लोगों, देशों और संस्कृतियों को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 21 जून, जो पृथ्वी का सबसे लंबा दिन माना जाता है, अब पूरी दुनिया में योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। पीएम के साथ कोलकाता के ऐतिहासिक 'रेड रोड' पर हजारों लोगों ने योग किया। पीएम ने ताड़ासन, अर्धचक्रासन, भद्रासन, त्रिकोणासन सहित 5 आसन किए। कॉमन प्रोटोकॉल योग सत्र के दौरान पीएम लोगों के बीच पहुंचे और उनकी योग मुद्राओं को सुधारने में मदद करते नजर आए। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम ' योग फॉर हेल्दी एजिंग ' यानी बढ़ती उम्र के लिए योग है। इस थीम

का मकसद यह बताना है कि योग सिर्फ फिटनेस का माध्यम नहीं, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर, मन और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का भी तरीका है। श्री मोदी ने कहा कि जब हम उम्र बढ़ने के साथ सेहतमंद रहने के लिए योग की बात करते हैं,तो इसका मतलब है- उम्र बढ़ने से क्षमता कम न हो। इस थीम को सिर्फ बुजुर्गों के लिए नहीं, बल्कि सभी उम्र के लोगों के लिए देखा जाना चाहिए।

जबलपुर में राष्ट्रपति, राज्यपाल और सीएम ने किया योग

जबलपुर, इंदौर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मध्य प्रदेश में जगह-जगह सामूहिक योग के आयोजन किए गए। जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने योग किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक मौजूद रहे। इंदौर ने योग दिवस पर नया रिकॉर्ड बनाया। कार्यक्रम के दौरान हजारों लोगों ने तीन मिनट तक भ्रामरी प्राणायाम किया।

रिया कपूर के 1.35 करोड़ के हीरे के झुमके हुए चोरी

मुंबई, एजेंसी

अनिल कपूर की बेटी रिया कपूर के हीरे जड़े ईयररिंग्स चोरी हो गए। रिया कपूर खुद भी फिल्ममेकर और स्टाइलिस्ट हैं । एक फैशन इवेंट के लिए जाते समय उनके महंगे झुमके गायब हो गए, जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस स्टेशन में दर्ज करा दी है। पुलिस को दी शिकायत के अनुसार, ये बैग रिया की मेकअप आर्टिस्ट के हैंडबैग से गायब हुए हैं। ये तब हुआ जब वह न्यूयॉर्क फैशन वीक के लिए जा रही थीं। इसी दौरान उनकी मेकअप आर्टिस्ट के बैग से 1.35 करोड़ के हीरे-जड़े ईयररिंग्स गायब हो गए। उन्होंने ये झुमके मुंबई के मेहता और गोयंका ज्वोलर्स से किराए पर लिए थे।

आरएसएस दफ्तर पर हमले के लिए ऑटो रिक्शा से की थी रैकी

रांची, एजेंसी

आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने की साजिश और हमले की जांच में गिरफ्तार सायन अंसारी ने जेल जाने से पहले कई खुलासे किए हैं। उसने बताया कि घटना से पहले वह अपने बचपन के दोस्त अमन अंसारी और सैफ अंसारी के साथ ऑटो से आरएसएस कार्यालय की रेकी करने गया था। अमन ने पहले ही उसे उस स्थान का लोकेशन भेज दिया था और वह मुआयना कर चुका था। सायन ने बताया कांटाटोली स्थित एक होटल में अमन अंसारी के नाम से कमरा बुक किया गया था, जहां पेट्रोल बम तैयार किया गया था।

564 शहरों के सेंटर्स पर कड़ी सुरक्षा

नीट री-एग्जाम आज, शामिल हो रहे हैं देशभर के 23 लाख स्टूडेंट्स

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी

देश भर में आज नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा हो रही है। इसमें 22.79 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स शामिल हो रहे है। पेन-पेपर मोड में हो रही परीक्षा के लिए 564 शहरों में 5400 से ज्यादा एग्जाम सेंटर्स बनाए गए हैं। इनमें भारत के 551 और विदेश के 14 शहर हैं। देश के एग्जाम सेंटरों पर 2 लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी, 674 सिटी कोऑर्डिनेटर और 6,669 ऑब्जर्वर तैनात किए गए हैं। पेपर लीक रोकने के लिए पहली बार भारतीय वायुसेना के विमान और हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल किया गया है। एयरफोर्स ने 200 से ज्यादा उड़ानें भरकर नीट-यूजी के क्वेश्चन पेपर देशभर के अलग-अलग जोन तक पहुंचाए हैं। नीट-यूजी परीक्षा 3 मई 2026 को हुई थी, लेकिन पेपर लीक के आरोपों के बाद 12 मई को एनटीए ने इसे रद्द कर दिया।

अजमेर में पेपर लीक का दावा

नीट परीक्षा के ठीक पहले राजस्थान के अजमेर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक अज्ञात कॉलर ने परीक्षा में शामिल होने वाले एक छात्र को वीडियो कॉल पर प्रश्न पत्र दिखाने का दावा करते हुए बदले में 30,000 रुपये की मांग की। मामले की शिकायत मिलने के बाद अजमेर पुलिस ने तुरंत जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन कर दिया है।

भोपाल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

भोपाल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा शुरू होने से करीब एक घंटे पहले दिल्ली से यह तय किया गया कि किस स्ट्रांग रूम से किस परीक्षा केंद्र के लिए प्रश्नपत्र जारी होंगे। प्रश्नपत्र एयरफोर्स के विशेष विमान से भोपाल पहुंचे और उन्हें सीआरपीएफ सुरक्षा के बीच परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया गया।

60 दिनों में भी नहीं हुआ समझौता तो...

राष्ट्रपति ट्रम्प बोले- होर्मुज पर अमेरिका लगा सकता है टोल

वाशिंगटन, एजेंसी

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा है कि अगर ईरान के साथ 60 दिनों में कोई समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका भविष्य में होर्मुज स्ट्रेट में शुल्क लगाने पर विचार कर सकता है। यह शुल्क अतीत, वर्तमान और भविष्य में क्षेत्र की सुरक्षा पर हुए खर्च की भरपाई के लिए होगा। उन्होंने कहा सीजफायर के दौरान अगले 60 दिनों तक होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टोल नहीं लगाया जाएगा। 60 दिन खत्म होने के बाद भी टोल नहीं लगाया जाएगा, जब तक कि ईरान के साथ समझौता पूरा नहीं हो जाता। इजराइल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच ने कहा है कि जब तक हिजबुल्लाह हथियार नहीं डालता, हम एक मिलीमीटर भी पीछे नहीं हटेंगे। यही प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और मेरा भी रुख है और हम इस पर कायम रहेंगे। अमेरिका अगर वापसी की मांग भी करता है, तब भी इजराइल पीछे नहीं हटेगा।

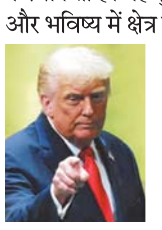

गाजा पर इजरायल ने फिर किए हवाई हमले, 6 की मौत

गाजा पट्टी पर इजरायल ने फिर बड़ा हमला किया है। इजरायल द्वारा किए गए हवाई हमलों में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें दो बच्चे और समाचार चैनल अल जज़ीरा का एक कैमरामैन भी शामिल है। यह जानकारी फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने दी। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, तड़के करीब 2 बजे गाजा सिटी में एक अपार्टमेंट को निशाना बनाकर हवाई हमला किया गया। हमले के बाद इमारत का बड़ा हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया। इजरायल के हमले से दो सगी बहनों की जान चली गई। इसमें एक 4 साल की ज़िना और 14 साल की लाना है।

25 जून तक पहुंचेगा मानसून

इंदौर-ग्वालियर समेत 37 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी

नईदिल्ली/भोपाल, एजेंसी

मध्य प्रदेश में मानसून 6 दिन लेट हो गया है। इसकी एंट्री में 4 दिन और लगेंगे। मौसम केंद ने 25 जून तक प्रदेश में मानसून के दस्तक देने का अनुमान जताया है। इससे पहले प्री-मानसून की एक्टिविटी जारी रहेगी। वहीं देश की राजधानी दिल्ली में मौसम विभाग ने भारी आंधी-बारिश और ओले की चेतावनी दी है।

आज इंदौर, ग्वालियर समेत 37 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। इनमें इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, झाबुआ और आलीराजपुर शामिल हैं। वहीं, भोपाल, विदिशा, सागर, दमोह, नरसिंहपुर, रायसेन, नर्मदापुरम, सीहोर, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, शाजापुर, देवास, आगर-मालवा, उज्जैन, रतलाम और नीमच, मंदसौर में मौसम साफ रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भोपाल में सामूहिक योगाभ्यास

टीटी नगर स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित हुआ।

नगर निगम मुख्यालय प्रांगण में सामूहिक योगाभ्यास किया गया।

जलभराव के झंझट से मिलेगी मुक्ति

18.45 करोड़ से भोपाल, रानी कमलापति और निशातपुरा यार्ड में बनेगा हाईटेक ड्रेनेज सिस्टम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेलवे संचालन को अधिक सुरक्षित, सुचारु और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाने के लिए भोपाल रेल मंडल अपने प्रमुख रेलवे यार्डों के उन्नयन की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इसके तहत रानी कमलापति, भोपाल और निशातपुरा रेलवे यार्ड में नई ड्रेनेज (जल निकासी) व्यवस्था विकसित की जाएगी और अन्य जरूरी सुधार कार्य किए जाएंगे। इस परियोजना पर लगभग 18.45 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे नौ महीने में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जलभराव कम होने से ट्रैक, सिग्नल और अन्य उपकरण सुरक्षित रहेंगे रेलवे यार्ड में हर साल बारिश के दौरान जलभराव की समस्या सामने आती है। कई जगह पानी लंबे समय तक जमा रहने से ट्रैक, पाइंट्स, सिग्नल सिस्टम और अन्य रेलवे उपकरणों को नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है। इसके कारण ट्रेनों के रखरखाव और परिचालन कार्यों में भी परेशानी होती है। इसी समस्या को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने नई ड्रेनेज व्यवस्था तैयार करने का निर्णय लिया है। परियोजना के तहत यार्ड में ऐसी नालियां बनाई जाएंगी, जिनसे बारिश का पानी तेजी से बाहर निकल सके। इसके अलावा जरूरत के अनुसार अन्य आधारभूत सुविधाओं में भी सुधार किया जाएगा। इससे ट्रैक के आसपास पानी जमा नहीं होगा और रेलवे के महत्वपूर्ण उपकरण सुरक्षित रहेंगे।

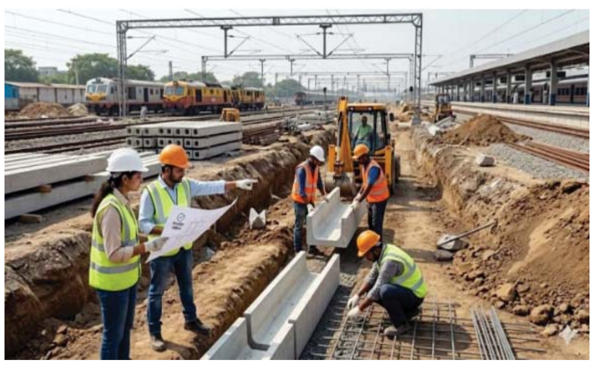

यार्ड में काम करने वाले कर्मचारियों को भी मिलेगी सुविधा

रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इस काम के पूरा होने के बाद यार्ड की कार्यक्षमता बढ़ेगी और ट्रेनों के रखरखाव संबंधी काम पहले से अधिक सुचारू तरीके से किए जा सकेंगे। जलभराव कम होने से कर्मचारियों को भी काम करने में सुविधा मिलेगी और आपात स्थिति में ट्रैक व उपकरणों तक पहुंच आसान होगी।

ट्रेनों के संचालन और रखरखाव कार्यों में सुविधा बढ़ेगी

18.45 करोड़ की यह परियोजना सिर्फ नालियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि रेलवे यार्ड की सुरक्षा, ट्रैक की मजबूती और ट्रेनों के निर्बाध संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इसके पूरा होने से भोपाल रेल मंडल के प्रमुख यार्डों में आधुनिक और बेहतर जल निकासी व्यवस्था विकसित हो सकेगी, जिससे भविष्य में बारिश के मौसम में होने वाली परेशानियां काफी हद तक कम होने की उम्मीद है।

अखिल भारतीय लघुकथा अधिवेशन एवं अलंकरण समारोह हिंदी भवन में संपन्न

लघुकथा पहले विशेषण थी, अब अहम यात्रा के साथ संज्ञा बन गई - डॉ.देवेंद्र दीपक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ डेवेवेन्द्र दीपक ने कहा कि लघुकथा पहले विशेषण थी अब संज्ञा हो गई है। यानी विधा की दृष्टि से लघुकथा ने एक महत्वपूर्ण यात्रा तय की है। लेखकों में आज सृजन धैर्य की कमी है। जैसे डाल के प्राकृतिक रूप से पके हुए फल जो स्वाद देते हैं वह कृत्रिम से रूप से पाल के पके फल वो स्वाद नहीं दे सकते,यही स्थिति सृजन की है। डॉ.देवेंद्र दीपक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल के आठवें अखिल भारतीय लघुकथा अधिवेशन एवं अलंकरण समारोह में विशिष्ट अतिथि वक्ता के रूप में बोल रहे थे। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.सूर्यकांत नागर को लघुकथा के क्षेत्र में उनकी सृजनात्मक उपलब्धियों के अवदान स्वरूप 'माधव राव सप्रे स्मृति लघुकथा अलंकरण - 2026 से सम्मानित किया गया।

आयोजन में पद्मश्री रामनारायण उपाध्याय स्मृति प्रादेशिक लघुकथा सम्मान से वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती ज्योति जैन को एवं आचार्य जगदीश चंद्र मिश्रा आलोचना सम्मान से डॉ.अनीता राकेश पटना को और साहित्यिक सांस्कृतिक पत्रकारिता सम्मान से राकेश शर्मा को सम्मानित किया गया इस अवसर में बोलते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ.उमेश कुमार सिंह वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व निदेशक साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल ने कहा कि साहित्यकार तपस्वी साधक बनकर लोक चिंता के लिए लिखें और हमें समाज ने जो दिया है उसे लौटाने की चिंता करें। कार्यकम की विशिष्ट अतिथि डॉ .नुसरत मेहदी ने कहा कि लघुकथा आकार में छोटी होने के कारण नहीं बल्कि प्रभाव में बड़ी होने के कारण पाठकों द्वारा पढ़ी जाती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पटना के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.ध्रुव कुमार ने कहा कि लघुकथा शोध केंद्र भोपाल के इस विधा के लिए किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं। ' श्रीमती ज्योति जैन वरिष्ठ साहित्यकार ने 'शिक्षा साहित्य और समाज के बदलते स्वरूप की लघुकथा के संदर्भ में विस्तृत व्याख्या की। सारस्वत अतिथि डॉ.मिथिलेश दीक्षित वरिष्ठ साहित्यकार लखनऊ एवं डॉ.राकेश शर्मा ने भी अपने विचार रखे। इससे पहले केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने स्वागत उद्बोधन देते हुए केंद्र की यात्रा के बारे में आधार वक्तव्य प्रस्तुत किया। 'एक टोकरी भर मिट्टी ' लघुकथा माधवराव सप्रे वाचन श्रीमती अंजू खरबंदा से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आयोजन में ' हमारी शाखाएं कल्पना तथा विस्तार ' विषय पर विजय जोशी महेश्वर, राष्ट्रीय संयोजक ने अपनी बात रखी। इस आयोजन में श्रीमती मातुश्री धनवंती देवी लघुकथा सम्मान श्रीमती सरिता बाघेला , विशिष्ट हिंदी सेवी सम्मान डॉ मिथिलेश दीक्षित लखनऊ,डॉ. उपासना सक्सेना लघुकथा प्रेरणा शोध सम्मान प्रिंस कुमार गोरखपुर, डॉ.उपासना सक्सेना दिव्यांग प्रेरणा सम्मान श्रीमती कोमल वाधवानी उज्जैन, पारस दासोत स्मृति लघुकथा कृति सम्मान श्रीमती मीरा जैन उज्जैन ,विक्रम सोनी लघुकथा कृति सम्मान डॉ. हरप्रीत सिंह राणा पटियाला, संवाद भारती सम्मान वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार बरुआ एवं अभिषेक पुरोहित भोपाल को प्रदान किए गए। कार्यक्रम में ' शोध के विविध आयाम ' विषय पर एक संगोष्ठी इकबाल मसूद वरिष्ठ साहित्यकार की अध्यक्षता में हुई जिसमें श्रीमती संतोष श्रीवास्तव, डॉ. अनीता राकेश,श्रीमती अंतरा करबडे ,श्रीमती कांति शुक्ला ने अपनी बात रखी। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ.ममता माली ने किया तथा अंत में डॉ.वर्षा ढोबले ने आभार प्रकट किया।

पूज्य सिंधी पंचायत के त्रिवार्षिक चुनाव की तैयारियां हो गईं पूरी

आज डाले जाएंगे वोट

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत के त्रिवार्षिक चुनाव-2026 के लिए सभी अंतिम तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कल यानी 21 जून 2026 को मतदान होगा। चुनाव अधिकारी बसंत चेलानी, सह-चुनाव अधिकारी धर्म प्रकाश मोटवानी एवं आयलदास साधवानी ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि मतदान प्रक्रिया सुबह 08:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक चलेगी। इसके तुरंत बाद, दोपहर 04:00 बजे से मतगणना (वोटों की गिनती) शुरू की जाएगी और इसी दिन रात तक चुनाव के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। चुनाव अधिकारी बसंत चेलानी ने बताया कि मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए कुल 15 बूथ बनाए गए हैं और 9 टेबल लगाई गई हैं। चुनाव संपन्न कराने के लिए लगभग 60 सदस्यों की एक विशेष टीम तैयार की गई है। इन सभी सदस्यों को आधिकारिक परिचय पत्र (आईडी कार्ड) वितरित किए गए हैं, जिसके बिना मतदान या मतगणना स्थल पर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशियों को भी विशेष परिचय पत्र जारी किए गए हैं। चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मतदान केंद्र के भीतर प्रवेश के लिए सख्त नियम लागू रहेंगे। वोट डालने के लिए मतदाताओं के पास मतदान पर्ची के साथ फोटोयुक्त पहचान पत्र (आईडी प्रूफ) होना अनिवार्य है। बिना वैध परिचय पत्र के किसी भी व्यक्ति को केंद्र के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

'योगोत्सव' : 300 बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने किया योग

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक विशेष योग जागरूकता कार्यक्रम 'योगोत्सव 2026' का आयोजन किया गया, जिसमें 300 से अधिक बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में विश्वास कैलाश सारंग खेल एवं युवा कल्याण मंत्री ने कहा, एक अच्छे राष्ट्र की शुरुआत हमारे स्वस्थ शरीर से होती है और राष्ट्र को स्वस्थ रखने की प्राथमिक इकाई हम स्वयं हैं। महापौर मालती राय ने कहा कि महिलाओं पर दोहरी जिम्मेदारी होती है, ऐसे में नियमित योग, ध्यान और प्राणायाम उनके उत्तम स्वास्थ्य का सबसे बेहतर माध्यम है, जिससे वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन और अच्छे से कर सकती हैं। प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी पूर्व राज्यपाल, हरियाणा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सशक्त भारत के निर्माण के लिए 'स्वस्थ भारत' का होना अनिवार्य है और इसमें महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। विधायक भगवान दास सबनानी ने कहा कि योग हर रोग की अचूक दवा है। यह हमारी भारतीय संस्कृति का आधार है, जिसे आज पूरी दुनिया अपना रही है। मप्र योग आयोग के अध्यक्ष राघवेंद्र शर्मा ने विश्वास दिलाया कि मध्य प्रदेश योग आयोग निरंतर योग के प्रचार-प्रसार और लोगों को रोगमुक्त बनाने के प्रयासों में जुटा हुआ है।

संगीतमय प्रस्तुति : महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अंकेश सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जो शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन भी स्थापित करता है। कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित कॉमन योगा प्रोटोकॉल का अभ्यास किया गया, जिसका संचालन (उद्घोषणा) महाविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. सरस्वती टेवानी द्वारा किया गया।

बच्चों ने किया योगाभ्यास: साधु वासवानी स्कूल में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व बेला में योगभ्यास किया गया। योग विशेषज्ञ कन्हैयालाल रंगवानी और योग प्रशिक्षक हेमंत सुकरिकर ने बच्चों को योग कराया। रंगवानी ने योग को सकारात्मक सोच और निरोगी काया के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

15 स्टेशन बनेंगे वाणिज्यिक गतिविधियों के केंद्र

रेलवे स्टेशनों पर अब यात्रियों का मनोरंजन किया जाएगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश के रेलवे स्टेशनों को अब केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि आधुनिक व्यापार, मनोरंजन और निवेश का केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भोपाल मंडल के 15 प्रमुख स्टेशनों का चरणबद्ध पुनर्विकास किया जा रहा है। इन स्टेशनों को आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त, आकर्षक और बहुउद्देशीय शहरी केंद्र के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे ये केवल यात्रा के स्थान न रहकर आर्थिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र बन सकें।

मनोरंजन, स्टार्टअप और व्यापार को मिलेगा नया अवसर- वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने कहा कि इन पुनर्विकसित स्टेशनों पर अब वाहन-आधारित सिनेमा, मल्टीफंक्शनल कॉम्प्लेक्स, गेमिंग जोन, बाल मनोरंजन केंद्र, डिजिटल अनुभव केंद्र, पर्यटन एवं आतिथ्य सेवाएं, प्रतीक्षालय एवं लाउंज, डिजिटल बैंकिंग यूनिट, ई-लॉबी और एटीएम जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही स्टार्टअप्स, उद्यमियों, फर्मों और संस्थानों को भी यहां व्यावसायिक गतिविधियां शुरू करने का अवसर मिलेगा। रेलवे ने इसके लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं ताकि नवाचार आधारित व्यावसायिक मॉडल को बढ़ावा दिया जा सके।

रेलवे द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले वाणिज्यिक स्थानों के उपयोग के लिए उद्यमियों और संस्थानों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। चयन प्रक्रिया ई-नीलामी के माध्यम से की जाएगी और सभी प्रस्तावों का परीक्षण रेलवे बोर्ड के नियमों के अनुसार किया जाएगा। इसके बाद योग्य परियोजनाओं को मंजूरी दी जाएगी।

स्टेशन बनेंगे आधुनिक आर्थिक और सामाजिक केंद्र: वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों को केवल यात्री सुविधाओं तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि उन्हें निवेश, नवाचार और आर्थिक विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि स्थानीय उद्यमिता और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे, जो 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को मजबूत करेंगे।

मेट्रो एंकर

जनजातीय संग्रहालय के सभागार में अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

साइप्रस की सेलास डांस कंपनी ने रचा सांस्कृतिक संवाद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ डेवेवेन्द्र दीपक ने कहा कि लघुकथा पहले विशेषण थी अब संज्ञा हो गई है। यानी विधा की दृष्टि से लघुकथा ने एक महत्वपूर्ण यात्रा तय की है। लेखकों में आज सृजन धैर्य की कमी है। जैसे डाल के प्राकृतिक रूप से पके हुए फल जो स्वाद देते हैं वह कृत्रिम से रूप से पाल के पके फल वो स्वाद नहीं दे सकते,यही स्थिति सृजन की है। डॉ.देवेंद्र दीपक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल के आठवें अखिल भारतीय लघुकथा अधिवेशन एवं अलंकरण समारोह में विशिष्ट अतिथि वक्ता के रूप में बोल रहे थे। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.सूर्यकांत नागर को लघुकथा के क्षेत्र में उनकी सृजनात्मक उपलब्धियों के अवदान स्वरूप 'माधव राव सप्रे स्मृति लघुकथा अलंकरण -2026 से सम्मानित किया गया।

आयोजन में पद्मश्री रामनारायण उपाध्याय स्मृति प्रादेशिक लघुकथा सम्मान से वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती ज्योति जैन को एवं आचार्य जगदीश चंद्र मिश्रा आलोचना सम्मान से डॉ.अनीता राकेश पटना को और साहित्यिक सांस्कृतिक पत्रकारिता सम्मान से राकेश शर्मा को सम्मानित किया गया इस अवसर में बोलते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ.उमेश कुमार सिंह वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व निदेशक साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल ने कहा कि साहित्यकार तपस्वी साधक बनकर लोक चिंता के लिए लिखें और हमें समाज ने जो दिया है उसे लौटाने की चिंता करें। कार्यकम की विशिष्ट अतिथि डॉ .नुसरत मेहदी ने कहा कि लघुकथा आकार में छोटी होने के कारण नहीं बल्कि प्रभाव में बड़ी होने के कारण पाठकों द्वारा पढ़ी जाती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पटना के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.ध्रुव कुमार ने कहा कि लघुकथा शोध केंद्र भोपाल के इस विधा के लिए किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं। ' श्रीमती ज्योति जैन वरिष्ठ साहित्यकार ने 'शिक्षा साहित्य और समाज के बदलते स्वरूप की लघुकथा के

सत्यमेव जयते
योग-संगम
12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
'स्वस्थ आयु के लिए योग' I 'Yoga for Healthy Ageing'
सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति
मुख्य अतिथि
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति
गरिमामयी उपस्थिति
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
21 जून 2026 | गैरीसन ग्राउंड, जबलपुर
आयुष से आरोग्य
आयुष शिक्षा का विस्तार
9 आयुष महाविद्यालय संचालित एवं
9 नये आयुर्वेदिक महाविद्यालयों को स्वीकृति
तकनीकी नवाचार
'वैद्य आपके द्वार' योजना अंतर्गत ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन परामर्श की सुविधा,
अब तक 23 हजार से अधिक को मिला लाभ
वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा
उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, कान्हा जैसे 18 प्रमुख धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों पर
वेलनेस टूरिज्म को नई पहचान देते हुए विशेष वेलनेस केन्द्रों का विकास
जन-जन तक स्वास्थ्य का संबल
800+ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से गांव-गांव तक स्वास्थ्य सुरक्षा,
हर जिला चिकित्सालय में आयुष विंग सक्रिय
"प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज यह
विश्व को स्वस्थ, संतुलित एवं एक सूत्र में जोड़ने का सशक्त माध्यम बन गया है।"
-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11046/26
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

सुख - समृद्धि

वास्तु में विभिन्न दिशाओं का अपना महत्व है लेकिन ख़ास तौर से ईशान और आग्नेय कोण की अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। ईशान (उत्तर-पूर्व) और आग्नेय (दक्षिण-पूर्व) कोण को अत्यंत संवेदनशील और प्रभावशाली माना गया है। इन दोनों कोणों का संतुलन व्यक्ति के स्वास्थ्य, समृद्धि, मानसिक शांति और पारिवारिक सुख पर गहरा असर डालता है।

वास्तु में ईशान और आग्नेय कोण का है खास महत्व

भारतीय वास्तुशास्त्र केवल भवन निर्माण की तकनीक नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने की एक प्राचीन विज्ञानसम्मत परंपरा है। वास्तु के अनुसार प्रत्येक दिशा और कोण विशेष ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है तथा उसका घर, कार्यालय या किसी भी भवन के निवासियों पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। यद्यपि सभी दिशाओं का अपना-अपना महत्त्व है, किंतु ईशान (उत्तर-पूर्व) और आग्नेय (दक्षिण-पूर्व) कोण को अत्यंत संवेदनशील और प्रभावशाली माना गया है। इन दोनों कोणों का संतुलन व्यक्ति के स्वास्थ्य, समृद्धि, मानसिक शांति और पारिवारिक सुख पर गहरा असर डालता है।

ईशान कोण : आध्यात्मिक और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र

वास्तुशास्त्र में ईशान कोण को देवताओं का स्थान माना गया है। यह उत्तर और पूर्व दिशा के संगम पर स्थित होता है। इस दिशा में सूर्य की प्रथम किरणें प्रवेश करती हैं, इसलिए इसे ज्ञान, पवित्रता, आध्यात्मिकता और शुभ ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार घर का ईशान भाग जितना स्वच्छ, खुला और हल्का होगा, उतनी ही सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ेगा। इस क्षेत्र में पूजा कक्ष, ध्यान स्थल, अध्ययन कक्ष अथवा जल स्रोत जैसे कुआँ, बोरवेल, जल टंकी या छोटा फव्वारा रखना शुभ माना जाता है। यदि ईशान कोण में भारी सामान, सीढ़ियाँ, शौचालय या अव्यवस्था हो तो सकारात्मक ऊर्जा बाधित होती है। इसके परिणामस्वरूप मानसिक तनाव, निर्णय लेने में कठिनाई तथा आर्थिक प्रगति में रुकावट जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं।

ईशान कोण के शुभ फल

- घर में सकारात्मक और शांतिपूर्ण वातावरण।
- ज्ञान, शिक्षा और आध्यात्मिक उन्नति में सहायता।
- परिवार के सदस्यों की मानसिक एकाग्रता में वृद्धि।
- आर्थिक अवसरों और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि।
- स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में कमी तथा मानसिक शांति।
- आग्नेय कोण : ऊर्जा और क्रियाशीलता का क्षेत्र

जीवन में गति का आग्नेय कोण

दक्षिण और पूर्व दिशा के मध्य स्थित आग्नेय कोण अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। वास्तुशास्त्र में इसका संबंध ऊर्जा, उत्साह, शक्ति, स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों से माना जाता है। अग्नि तत्व जीवन को गति प्रदान करता है, इसलिए इस क्षेत्र का संतुलित होना अत्यंत आवश्यक है। आग्नेय कोण में रसोईघर का निर्माण सर्वश्रेष्ठ माना गया है। गैस चूल्हा, विद्युत उपकरण, इन्वर्टर, जनरेटर तथा अन्य ऊर्जा से जुड़े उपकरण इसी दिशा में रखने की सलाह दी जाती है। रसोई में भोजन बनाते समय पूर्व दिशा की ओर मुख होना भी शुभ माना गया है। यदि आग्नेय कोण में जल स्रोत, भूमिगत पानी की टंकी या अत्यधिक नमी हो तो अग्नि और जल तत्व के बीच असंतुलन उत्पन्न होता है। इसके कारण परिवार में तनाव, आर्थिक अस्थिरता या स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ बढ़ सकती हैं।

संतुलन से मिलने वाले लाभ

- परिवार में ऊर्जा और उत्साह का संचार।
- व्यवसाय और नौकरी में सक्रियता तथा प्रगति।
- पाचन तंत्र और स्वास्थ्य में सुधार।
- आर्थिक गतिविधियों में गति और लाभ।
- निर्णय क्षमता तथा आत्मविश्वास में वृद्धि।

जल और अग्नि दोनों तत्वों की समान भूमिका

वास्तु के अनुसार जीवन में जल और अग्नि दोनों तत्वों की समान भूमिका है। ईशान कोण जल तथा दिव्य ऊर्जा का प्रतीक है, जबकि आग्नेय कोण अग्नि और क्रियाशीलता का। यदि इनमें से कोई एक क्षेत्र दोषयुक्त हो जाए तो जीवन का संतुलन प्रभावित हो सकता है। उदाहरण के लिए, ईशान कोण में रसोई अथवा अग्नि संबंधी उपकरण और आग्नेय कोण में जल स्रोत रखने से ऊर्जा का टकराव होता है। इससे पारिवारिक मतभेद, मानसिक तनाव और आर्थिक बाधाएँ उत्पन्न होने की संभावना बढ़ जाती है।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

ईशान कोण में पूजा कक्ष या ध्यान स्थल बनाएं। पर्याप्त प्रकाश और स्वच्छता रखें। जल स्रोत या जल से जुड़े तत्व रखें। ईशान कोण में शौचालय, भारी स्टोर या सीढ़ियाँ न बनाएं। अनावश्यक कबाड़ न रखें। आग्नेय कोण में रसोईघर या अग्नि से संबंधित उपकरण रखें। विद्युत पैनल एवं ऊर्जा उपकरण स्थापित करें। आग्नेय कोण में भूमिगत जल टंकी या कुआँ न बनाएं। अत्यधिक नमी या जलभराव न होने दें।

वास्तुशास्त्र में प्रत्येक दिशा का अपना महत्व है, किंतु ईशान और आग्नेय कोण को भवन की ऊर्जा संरचना का आधार माना जाता है। ईशान कोण आध्यात्मिकता, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र है, जबकि आग्नेय कोण जीवन में ऊर्जा, स्वास्थ्य और कार्यक्षमता का प्रतीक है। इन दोनों कोणों का संतुलित और वास्तु-अनुकूल उपयोग न केवल भवन की ऊर्जा को सुदृढ़ करता है, बल्कि निवासियों के जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

जीवन-ज्योति

जीवन में प्रेम, भक्ति और विवेक का महत्व

रमेशभाई ओझा
आध्यात्मिक गुरु

धर्म केवल पूजा-पाठ का नाम नहीं है, बल्कि धर्म जीवन को सुंदर और सार्थक बनाने की कला है। मनुष्य के पास ज्ञान हो सकता है, धन हो सकता है, प्रतिष्ठा हो सकती है, लेकिन यदि उसके भीतर करुणा, विनम्रता और प्रेम नहीं है तो उसका जीवन अधूरा रह जाता है। हमें बाहर की दुनिया जीतने से पहले अपने भीतर के अहंकार को जीतना चाहिए।

मैं अक्सर कहता हूं कि ईश्वर को पाने का मार्ग कठिन नहीं है, कठिन तो हमारा मन है। मन हमेशा इच्छाओं के पीछे भागता रहता है। आज हमारे पास सुविधाएं बहुत हैं, लेकिन शांति कम होती जा रही है। इसका कारण यह है कि हमने जीवन में साधन तो बढ़ा लिए, लेकिन संतोष को पीछे छोड़ दिया।

भक्ति का अर्थ केवल मंदिर जाना या पूजा करना नहीं है। भक्ति का वास्तविक अर्थ है – अपने व्यवहार में प्रेम लाना, अपने विचारों को पवित्र बनाना और अपने कर्मों में ईमानदारी रखना। यदि पूजा करने के बाद भी हमारे व्यवहार में कठोरता बनी रहती है, तो हमें अपने भीतर झांकने की आवश्यकता है।

प्रेम जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। जहां प्रेम होता है, वहां भय कम होता है और विश्वास बढ़ता है। परिवार में प्रेम हो तो साधारण घर भी आनंद का स्थान बन जाता है। लेकिन जहां अहंकार और स्वार्थ बढ़ जाता है, वहां बड़े से बड़ा वैभव भी मन को सुख नहीं दे सकता। मैं यह भी मानता हूं कि सफलता का अर्थ केवल पद, पैसा या प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं है। असली सफलता यह है कि जीवन के अंत में जब हम पीछे मुड़कर देखें तो हमें अपने कर्मों पर संतोष हो। धन कमाना गलत नहीं है, लेकिन धन को जीवन का अंतिम लक्ष्य बना लेना गलत है। धन एक साधन है, जीवन का उद्देश्य नहीं। आज के समय में युवाओं के सामने बहुत अवसर हैं। उन्हें आधुनिक शिक्षा, विज्ञान और तकनीक को अपनाना चाहिए, लेकिन अपनी जड़ों और संस्कारों को नहीं भूलना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार पाना नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनना भी है। मनुष्य के भीतर क्रोध, ईर्ष्या और अहंकार ऐसे शत्रु हैं जो बाहर से दिखाई नहीं देते, लेकिन भीतर से जीवन को कमजोर कर देते हैं। जो व्यक्ति अपने मन को साध लेता है, वह कठिन परिस्थितियों में भी शांत रह सकता है। जीवन में कर्म करते रहना चाहिए और हर परिस्थिति को सीखने का अवसर समझना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि जीवन बहुत छोटा है। इसे शिकायतों, तुलना और द्वेष में नहीं गंवाना चाहिए। यदि हम किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सकें, किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकें और अपने व्यवहार से किसी को दुख न पहुंचाएं, तो यही सबसे बड़ी साधना है।

ईश्वर की प्राप्ति केवल एक स्थान पर बैठकर नहीं होती, बल्कि अच्छे विचारों, अच्छे कर्मों और निर्मल हृदय से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर प्रेम, विनम्रता और विश्वास को स्थान देता है, तभी उसके जीवन में वास्तविक आनंद आता है। यही भक्ति का सार है और यही मानव जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 21जून से 27 जून तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष राशिः आगामी सप्ताह में मेष राशि के जातकों को अत्यंत व्यस्तता एवं भाग दौड़ भरी जिंदगी रहने के संकेत हैं कार्य की अधिकता होने के कारण आपको अनेक स्थानों पर अनेक कार्यों को संपन्न करना होगा प्रसन्नता की बात यह है कि आपके परिवार में मांगलिक कार्य का शुभारंभ हो सकता है।

वृषभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे विगत दिनों से किया गया परिश्रम इस सप्ताह में फलीभूत होने के संकेत हैं। आप अपने कार्यों में निरंतरता रखें और कठिन परिश्रम कार्य सिद्धि का सूत्र बनेगा।

मिथुन राशि के जातक घर परिवार के कार्यों के कारण कुछ चिंता ग्रस्त हो सकते हैं पारिवारिक जिम्मेदारियां घर में किसी बुजुर्ग के स्वास्थ्य के कारण आपको चिंता हो सकती है। व्यापार व्यवसाय में उतार चढ़ाव और कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सामान्य कष्ट का संकेत मिल रहा है।

कर्क राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं युवावस्था वाले जातकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता साथी व्यापार व्यवसाय एवं नौकरी के क्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत मिल रहे हैं। स्त्री जातकों को अपने कार्यों में विशेष सफलता मिलेगी।

सिंह राशि के जातकों को यह सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है विशेष रूप से आप बाद विवाद से बच्चे एवं अपने निकट सहयोगियों से सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आपको विवाद में पढ़ने से कष्ट हो सकता है।

कन्या राशि के जातकों को यह सप्ताह उत्तम लाभकारी सिद्ध होगा आपके व्यापार व्यवसाय एवं कार्य क्षेत्र में निरंतर प्रगति होगी। साथी घर परिवार के लंबित कार्य संपन्न होने से परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला राशि के जातक आगामी सप्ताह में बेहतर प्रदर्शन करके अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे ,मान सम्मान ,प्रतिष्ठा और धन की भी प्राप्ति होगी। अपने कार्य क्षेत्र में विस्तार करने का अवसर प्राप्त होगा। अधीनस्थों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, निरंतर कार्य करने से आपके लंबित कार्य पूर्ण होने का संकेत मिल रहा है, जो आपके जीवन में विशेष बदलाव ला सकता है।

धनु राशि के जातक घर परिवार में और अपने कार्य क्षेत्र में अपने संगी साथियों के साथ सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आप किसी अप्रिय विवाद में पढ़ सकते हैं। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और बातचीत में शब्दों का चयन सावधानी पूर्वक करें ,अन्यथा विवाद से आपको आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके कार्यों में आपकी कार्यशैली का स्पष्ट प्रभाव दिखेगा, धैर्य से काम करने की प्रवृत्ति होने के कारण आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

कुंभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं आपके कार्यों की उपेक्षा एवं आपके मान सम्मान में कमी करने का प्रयास किया जा सकता है जो की सफल नहीं होगा अपितु आपको संयम से काम लेने की आवश्यकता है, साथी आप अपने कार्यों में निरंतर रखें उच्च स्तर पर आपका मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

मीन राशि के जातकों को यह सप्ताह विगत सप्ताह की अपेक्षा अधिक अनुकूल रहने के संकेत मिल रहे हैं आपके जीवन में बदलाव के लिए इस सप्ताह में कोई नया कार्य का शुभारंभ हो सकता है, साथी आए के साधन व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के कार्यों में बदलाव होकर सकारात्मक लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

दिया कबीरा रोय

गिरीश पंकज
व्यंग्यकार

सरकार की नींद और जनता की जागरूकता

सरकार बहुत जागरूक है। वह हर सुबह जनता की समस्याओं को लेकर चिंतित होती है। इतनी चिंतित कि चिंता व्यक्त करने के लिए एक बैठक बुलाती है। बैठक में यह तय होता है कि जनता की समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। फिर गंभीर विचार के लिए एक समिति बना दी जाती है।

समिति बनते ही समस्या को लगता है कि अब उसके दिन पूरे हुए। लेकिन समस्या भी सरकारी कामकाज को समझती है। उसे पता है कि समिति पहले बैठक करेगी, फिर बैठक की तारीख तय करेगी, फिर पिछली बैठक के निर्णयों की समीक्षा करेगी। तब तक समस्या आराम से अपने परिवार के साथ बढ़ती रहती है।

सरकारी विज्ञापनों में देश इतना सुंदर दिखाई देता है कि लगता है हम किसी स्वर्ग में रहते हैं। सड़कें चमकती हैं, अस्पताल मुस्कुराते हैं और हर नागरिक खुश दिखाई देता है। बस एक छोटा सा फर्क है – यह सब तस्वीरों में होता है। असली दुनिया में नागरिक अभी भी अपनी पुरानी तस्वीर लेकर नए वादों की लाइन में खड़ा है। दफ्तरों में काम भी होता है। ऐसा नहीं कि नहीं होता।

काम इतना सोच-समझकर होता है कि जल्दबाजी की कोई गुंजाइश नहीं रहती। फाइलें भी आराम से चलती हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि देश की अर्थव्यवस्था की तरह उन्हें भी संतुलन बनाए रखना है। एक टेबल से दूसरी टेबल तक जाने में फाइल कई लोगों को रोजगार देती है। अधिकारी कहते हैं – व्यवस्था में सुधार हो रहा है। जनता भी मान लेती है, क्योंकि जनता के पास विश्वास के अलावा बचता ही क्या है। वह हर चुनाव में नई उम्मीद खरीदती है और हर पांच साल बाद पुरानी उम्मीद का हिसाब लगाती है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि सरकार जनता को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। जनता भी आत्मनिर्भर हो गई है। अब वह जानती है कि बिजली कभी भी जा सकती है, इसलिए इनवर्टर रखती है। पानी कभी भी रुक सकता है, इसलिए टंकी भरकर रखती है। सरकारी जवाब कभी भी आ सकता है, इसलिए इंतजार करने की आदत डाल लेती है। फिर भी जनता महान है। वह नाराज होती है, शिकायत करती है, कभी-कभी सवाल भी पूछती है, लेकिन अगले दिन फिर उसी व्यवस्था के साथ जीवन शुरू कर देती है। शायद यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है – यहां सरकारें बदलती रहती हैं, मगर आम आदमी की उम्मीद मरने से इनकार करती रहती है।

नॉलेज

गैलीलियों की मौत के बाद काट ली थीं उंगलियां, आज भी सुरक्षित

गैलीलियो गैलिली को आधुनिक खगोल विज्ञान का जनक माना जाता है, जिन्होंने धर्म के सामने विज्ञान की बात को स्थापित किया। पृथ्वी के सूर्य का चक्कर लगाने की बात कहकर वह चर्च के सबसे बड़े दुश्मन बन गए। फिजिक्स में भी उन्होंने ऐसे कई सिद्धांत दिए जो मील का पत्थर साबित हुए। इसमें पेंडुलम की गति, फ्री फॉल, जड़त्व जैसे नियम शामिल हैं। हालांकि, मौत के बाद गैलीलियो के हाथ की उंगलियां काट ली गई थीं।

गैलीलियो की मृत्यु के 350 से अधिक सालों के बाद भी उनकी उंगलियां और दांत संग्रहालय की धरोहर के रूप में सुरक्षित हैं। जब अधिकांश लोग गैलीलियो गैलीली के बारे में सोचते हैं, तो उनके मन में एक ऐसे प्रतिभाशाली वैज्ञानिक की छवि उभरती है जो चर्च की तरफ से दोषी ठहराए जाने के बाद भी सच्चाई के लिए डटा रहा। लेकिन बहुत कम लोग यह जानते हैं कि उनके पार्थिव अवशेष भी इस ऐतिहासिक गाथा का एक हिस्सा बन गए। उनकी मौत के बाद उनके प्रशंसकों ने शरीर के कुछ हिस्सों को निकाला। यह काम खौफ या अनादर में नहीं, बल्कि गहरी श्रद्धा में हुआ। इससे उन्हें विज्ञान के प्रतीक के रूप में सहेज कर रखा जा सके। आज उनकी एक उंगली फ्लोरेंस के एक संग्रहालय में कांच के बक्से में रखी हुई है, जो उन्हीं उपकरणों से घिरी है जिनका उपयोग करके उन्होंने ब्रह्मांड के प्रति मानवता के नजरिए को हमेशा के लिए बदल दिया था। गैलीलियो की मृत्यु के 95 साल के बाद 1737 में उनके पार्थिव शरीर को एक छोटे से साइड चैपल से हटाकर फ्लोरेंस के 'सांता क्रोश बैसिलिका' में एक भव्य नए मकबरे में स्थानांतरित किया जा रहा था, जो माइकलएंजेलो के विश्राम स्थल के ठीक सामने है। ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार जब ताबूत को खोला गया, तो प्रशंसकों के एक समूह ने उनके शरीर को विज्ञान का एक पवित्र अवशेष मानते हुए उनकी 3 उंगलियां काट लीं। रीढ़ की हड्डी के उस हिस्से को बाद में यूनिवर्सिटी ऑफ पादुआ को दान कर दिया गया, जहां गैलीलियो ने कई सालों तक पढ़ाया था। अकादमिक इतिहास के एक अनोखे हिस्से के रूप में वह आज भी वहीं सुरक्षित है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उंगलियों और दांत को एक छोटे से कंटेनर में रखा गया था।

ब्रह्मांड को बदलने वाले उपकरण

जिस कमरे में गैलीलियो के शरीर के अंग प्रदर्शित हैं, वहां उनकी तरफ से डिजाइन और निर्मित किए गए एकमात्र जीवित उपकरण भी रखे गए हैं। इनमें दो टेलिस्कोप और वह लेंस भी शामिल है जिसका उपयोग उन्होंने बृहस्पति ग्रह के चंद्रमाओं की खोज के लिए किया था। इन उपकरणों ने यह साबित करने में मदद की थी कि धरती ब्रह्मांड का केंद्र नहीं है। इस खोज ने सीधे तौर पर चर्च की पुरानी शिक्षाओं को खारिज किया, जिसके कारण गैलीलियो को धर्मद्रोही घोषित कर प्रताड़ित किया गया था।

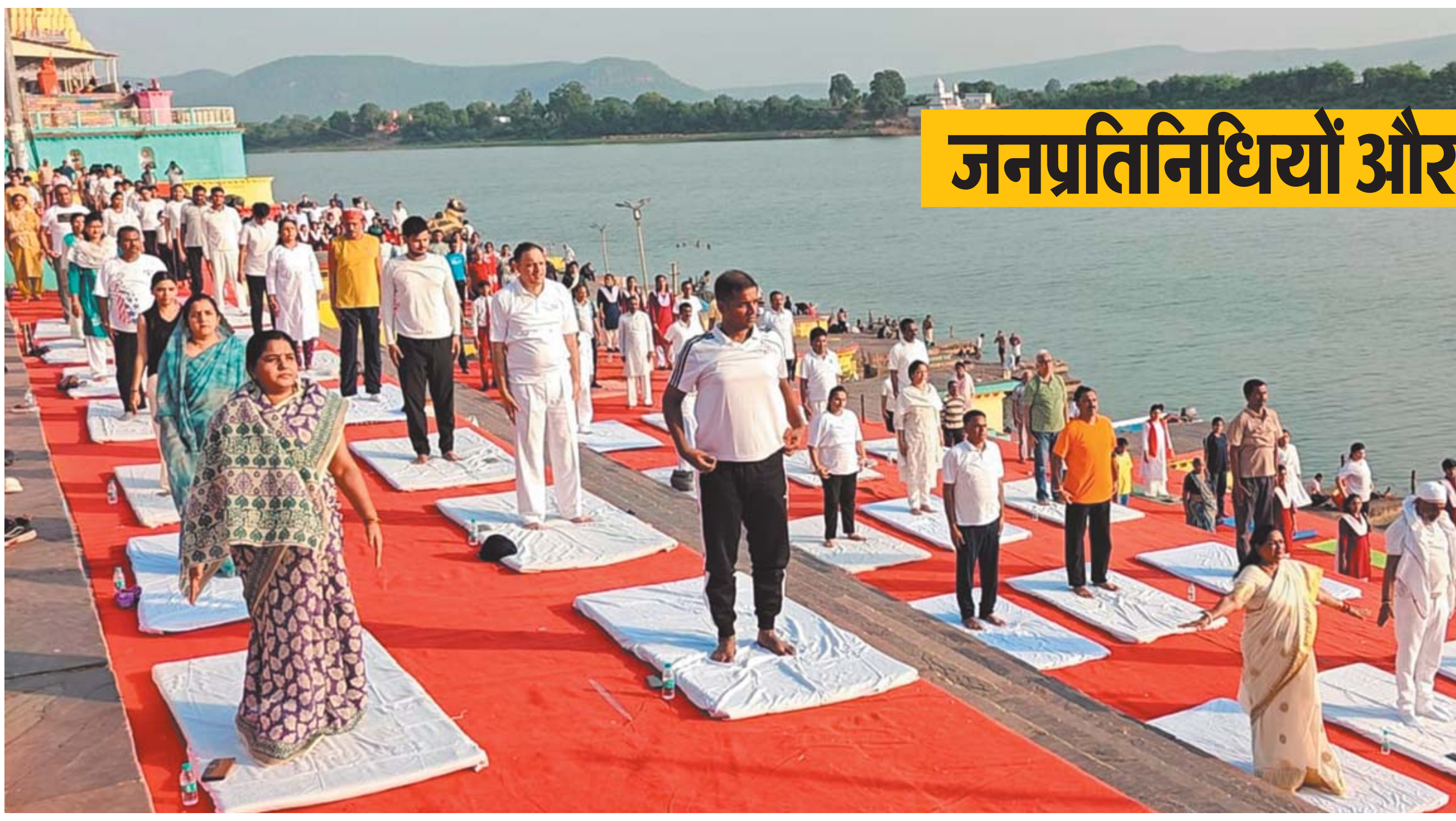

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सेठानी घाट पर जिला स्तरीय योगाभ्यास

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया योग

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को नर्मदापुरम जिले में व्यापक स्तर पर योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम पवित्र नर्मदा तट स्थित सेठानी घाट पर आयोजित हुआ, जहां जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग रखी गई है। कार्यक्रम के दौरान कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय समारोह का सीधा प्रसारण किया गया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सभी ने सुना। इसके बाद प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा एस. थोटा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। मीडिया से चर्चा करते हुए लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की प्रत्येक वर्ष अलग-अलग थीम निर्धारित की जाती है और इस वर्ष की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग के लोगों को नियमित रूप से योग करना चाहिए। आज योग केवल भारत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे विश्व में शांति, स्वास्थ्य और सद्भाव का आधार बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत सदैव विश्व को शांति और भाईचारे का संदेश देता आया है और योग इसी परंपरा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

न्यूज विंडो

भीमबेटका में योग दिवस का भव्य आयोजन

औबेदुल्लागंज। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल और विश्व धरोहर भीमबेटका में आज 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अत्यंत उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। जैसा कि 'International Day of Yoga' पर इस वर्ष की थीम 'Yoga for Healthy Ageing' रखी गई थी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअल सम्बोधन से हुआ, जिसे सभी उपस्थित लोगों ने ध्यानपूर्वक सुना। इसके उपरान्त, भोजपुर विधानसभा के विधायक के साथ-साथ एस.डी.एम. चन्द्रशेखर श्रीवास्तव, तहसीलदार हेमंत शर्मा, जनपद सीईओ निखिलेश कटारे, नगर परिषद सीएमओ किरण रहंगडाले, मण्डल अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र नागर और भाजपा के वरिष्ठ नेता रवीन्द्र विजयवर्गीय एवं नरेन्द्र शर्मा ने स्थानीय स्कूलों के बच्चों और विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ योग किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने योग के महत्व पर जोर दिया और योग करें, निरोग रहें के संदेश को दोहराया। इस कार्यक्रम ने न केवल योग के प्रति जागरूकता बढ़ाई बल्कि विश्व धरोहर भीमबेटका के महत्व को भी उजागर किया। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने एक भव्य सामूहिक चित्र भी खिंचवाया, जिसमें योग के प्रति उनके उत्साह और एकता की झलक साफ दिखाई दे रही है। योग सत्र के दौरान, उपस्थित सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न योगासन किए,कार्यक्रम ने समस्त विश्व को स्वस्थ और आरोग्य रहने का संदेश दिया और सभी ने योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने का संकल्प लिया।

छोटे का चल रहा था पोस्टमार्टम इधर बड़े भाई ने भी दम तोड़ दिया

रायसेन। औबेदुल्लागंज में शनिवार शाम उस समय मातम पसर गया जब एक ही घर से एक साथ दो अर्थियां उठीं। घर से दो सगे भाइयों की अर्थी निकलीं। जिसने भी घटना के बारे में सुना उसकी आंखें नम हो गई। दो मासूम बच्चों ने पिता को मुखाग्नि देकर अंतिम विदाई दी। बच्चों के सिर से मां का साया कोरोना में ही उठ गया था। पिता को विदाई देते समय देखने वालों की आंखें, आंसुओं से भीग गईं। शहर के राजकुमार लोधी और उनके छोटे भाई अजय लोधी, घर में गैस हादसे में घायल हो गए थे। कुछ दिनों के इलाज के बाद दोनों ने एक ही दिन दम तोड़ दिया। शनिवार को जब अजय का पोस्टमार्टम किया जा रहा था तभी राजकुमार लोधी की भी सांसें थम गईं। घटना पर शहर भर में दुख जताया जा रहा है। 35 साल के राजकुमार लोधी और 24 साल के अजय लोधी के साथ बीते रविवार को हादसा हुआ था। रात करीब आठ बजे वार्ड-10 निवासी दोनों भाई अपने घर के बाहर बने एक कमरे में गैस पर खाना बना रहे थे। तभी गैस लीकेज होने के कारण कमरे में अचानक आग लग गई। राजकुमार लोधी और अजय लोधी आग में जलते हुए कमरे से बाहर निकले थे। दोनों की हालत गंभीर हो चुकी थी। राजकुमार और अजय लोधी को तत्काल एम्स भोपाल रेफर किया गया था। दोनों भाई 50 प्रतिशत से अधिक जल चुके थे। सात दिनों तक चले इलाज के बाद शनिवार सुबह चार बजे छोटे भाई अजय लोधी की एम्स में मौत हो गई। परिजन दुखी हो उठे। सभी रिश्तेदारों, प?रिचितों, मित्रों को अजय की मौत की दुखद सूचना दी गई। घर में उनके अंतिम संस्कार की तैयारियां की जाने लगीं। एम्स में मौत के बाद अजय लोधी का पोस्टमार्टम किया गया। उनका पीएम चल ही रहा था, तभी बड़े भाई राजकुमार लोधी ने भी अंतिम सांस ली।

झलका योग का उत्साह, गरिमामय ढंग से मनाया गया विश्व योग दिवस

गंजबासौदा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को विकासखंड में योग, स्वास्थ्य और जनजागरूकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। शासन द्वारा निर्धारित थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' के अनुरूप पूरे विकासखंड में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षा विभाग के अमले, विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग के महत्व को आत्मसात किया। नगरीय क्षेत्र के लिए शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को नोडल केंद्र बनाया गया, जहां सुबह से ही योग साधकों, विद्यार्थियों और अधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमा और ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनीता पाराशर एवं बीआरसी बृजेंद्र सिंह रघुवंशी के मार्गदर्शन, तथा विद्यालय प्राचार्य प्रदीप कुमार चौरसिया के निर्देशन में संपन्न हुआ। योग सत्र का संचालन और अभ्यास प्रसिद्ध योग गुरु सैयद शफाकत हुसैन कादरी के सानिध्य में कराया गया। योगाभ्यास के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान क्रियाओं के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संकुल प्राचार्यों, माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, जनशिक्षकों, विद्यार्थियों, पटवारीगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश तिवारी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जिसने आज पूरी दुनिया को स्वास्थ्य और संतुलित जीवन का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को शारीरिक रूप से सशक्त, मानसिक रूप से संतुलित और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध बनाता है।

एलपीसी में गड़बड़ी: सफाई के नाम पर करोड़ों का गोलमाल, ठेकेदार पर गंभीर आरोप

सफाई कर्मियों के पीएफ में डाका, जमुना-कोतमा क्षेत्र में व्यापक भ्रष्टाचार के आरोप

कोतमा। दोपहर मेट्रो

देश की महारत्न सार्वजनिक उपक्रम कोल इंडिया लिमिटेड के अंतर्गत संचालित एसईसीएल अपने कर्मचारियों को विश्वस्तरीय कार्य वातावरण, अत्याधुनिक कार्यालय, आधुनिक संसाधन, निर्धारित ड्रेस कोड तथा बेहतर कार्य संस्कृति उपलब्ध कराने के लिए जानी जाती है। कंपनी कर्मचारियों के आर्थिक एवं सामाजिक स्तर के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाला कार्यस्थल उपलब्ध कराने का दावा करती है, लेकिन एसईसीएल के जमुना-कोतमा क्षेत्रीय मुख्यालय की वर्तमान स्थिति इन दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

एक ओर 16 जून से 30 जून 2026 तक पूरे एसईसीएल में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए शपथ ग्रहण, होर्डिंग, जनसंपर्क अभियान एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय मुख्यालय की सफाई व्यवस्था बदहाल होने के आरोप सामने आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार क्षेत्रीय मुख्यालय की सफाई व्यवस्था का ठेका घोष ठेकेदार के पास है। आरोप है कि कंपनी द्वारा प्रतिमाह लाखों रुपये का भुगतान किए जाने के बावजूद सफाई व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित होकर रह गई है। कार्यालय परिसर, गलियारों और विशेष रूप से शौचालयों में फैली गंदगी एवं दुर्गंध कर्मचारियों

और आगंतुकों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। नियमित सफाई और रखरखाव का अभाव कई स्थानों पर स्पष्ट दिखाई देता है।

सफाई कार्य में लगे कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि उनके भविष्य निधि (पीएफ) से संबंधित गंभीर अनियमितताएं की जा रही हैं। कई कर्मचारियों का कहना है कि वे वर्षों से कार्यरत हैं, लेकिन उनके पीएफ खातों में नियमित अंशदान जमा नहीं किया जा रहा। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो यह श्रम कानूनों और ईपीएफ नियमों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। सूत्रों के अनुसार ठेका व्यवस्था में एलपीसी (लेबर पेमेंट/उपस्थिति संबंधी अभिलेख) में भी गंभीर गड़बड़ियों के आरोप हैं। दावा किया जा रहा है कि रिकॉर्ड में एक व्यक्ति का नाम दर्ज है जबकि कार्य कोई दूसरा व्यक्ति कर रहा है। यदि जांच में यह तथ्य सही पाया जाता है तो यह फर्जी उपस्थिति, वेतन भुगतान में अनियमितता और ठेका नियमों के उल्लंघन का गंभीर मामला हो सकता है।

न्यूनतम मजदूरी और श्रमिक अधिकारों की अनदेखी

आरोप यह भी हैं कि सफाई कर्मचारियों को निर्धारित न्यूनतम मजदूरी नहीं मिल रही तथा कई श्रमिकों को पीएफ, ईएसआई, अवकाश एवं अन्य वैधानिक सुविधाओं से भी वंचित रखा गया है। इससे श्रमिकों में असंतोष व्याप्त है। यदि इन शिकायतों की पुष्टि होती है तो संबंधित ठेका एजेंसी पर श्रम कानूनों के उल्लंघन की कार्रवाई हो सकती है।

स्वच्छता पखवाड़े पर उठे सवाल

जहां एक ओर कंपनी स्वच्छता अभियान पर लाखों रुपये खर्च कर स्वच्छता का संदेश दे रही है, वहीं उसी दौरान क्षेत्रीय मुख्यालय की गंदगी अभियान की वास्तविकता पर सवाल खड़े कर रही है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि मुख्यालय की ही यह स्थिति है तो अन्य इकाइयों की स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है।

कंपनी की छवि हो रही धूमिल

स्थानीय कर्मचारियों और क्षेत्रवासियों का कहना है कि एसईसीएल जैसी महारत्न कंपनी की प्रतिष्ठा पूरे देश में है। ऐसे में यदि ठेका एजेंसियां अनुबंध की शर्तों का पालन नहीं कर रहीं और अधिकारियों द्वारा प्रभावी निगरानी नहीं की जा रही है तो इससे कंपनी की साख प्रभावित होना स्वाभाविक है।

मैहर में फिर आया जानलेवा वायरस एक मासूम की मौत, कई हुए संक्रमित

सतना। दोपहर मेट्रो

जिले में एक बार फिर जानलेवा वायरस सक्रिय हो गया है। इससे जहां एक मासूम की मौत हो गई है वहीं कई अन्य संक्रमित हैं। मैहर स्ह्ह्रद्धद्धह्न्में मीजल्स (खसरा) का वायरस Measles Virus सक्रिय है। जिले के ग्राम अजमाइन संक्रमण का दायरा बढ़ गया है जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता भी बढ़ गई है। यहां के छह बच्चों में मीजल्स (खसरा) के संक्रमण की पुष्टि हुई है। तीन साल के उमंग पटेल की इससे मौत हो गई। इसके बाद आनन-फानन में गांव में सतर्कता बढ़ा दी गई है। संक्रमण की श्रृंखला तोडऩे स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन ने विशेष नियंत्रण गतिविधियां शुरू की हैं। मैहर जिला कलेक्टर को भी रिपोर्ट भेजी गई है। अजमाइन में मीजल्स का संक्रमण

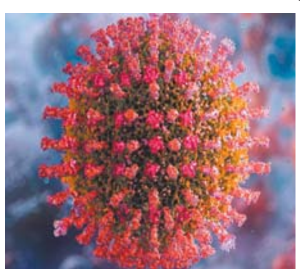

पन्ना से आने का दावा किया जा रहा है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुचित्रा अग्रवाल ने प्रतिवेदन में यह बात कही है। अजमाइन गांव में बीते कुछ दिन से अलग-अलग घरों में कुछ बच्चों को दाने निकले। इस समस्या के साथ ही उन्हें बुखार, सर्दी-जुकाम, उल्टी और दस्त जैसे लक्षण सामने आए। स्वास्थ्य विभाग ने सैंपल लेकर जांच के लिए नमूने भेजे तो 6 बच्चों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इनमें एक वर्ष से लेकर पांच वर्ष के बच्चे शामिल हैं।

गांव के उमंग पटेल को 6 जून को बुखार आया था। दूसरे दिन उसके शरीर पर दाने उभर आए। 8 जून को उल्टी-दस्त होने के साथ ही उमंग की तबीयत बिगडऩे लगी। परिजन उसे कटनी के कैमोर स्थित निजी अस्पताल ले गए। 11 जून को उमंग की तबीयत और बिगड़ गई। परिजन सिविल अस्पताल मैहर लेकर आ रहे थे,लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। तब मीजल्स पॉजटिव की रिपोर्ट आई। सतना में मई से मीजल्स के मरीज सामने आने लगे थे। एक बच्चे की मौत पूर्व में हो चुकी है। मई में एक झटके में 15 दिन के भीतर पांच पॉजटिव मरीज सामने आए। इसके बाद सतना नगर निगम क्षेत्र स्थित राजेंद्र नगर व अन्य मोहल्ले में सात मामले सामने आए थे।

उज्जैन में चोरी करने आए बदमाश ने महिला के साथ की ज्यादती

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन के बड़नगर क्षेत्र के आमला गांव में खेत की चौकीदारी कर रहे आदिवासी परिवार के साथ हुई वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। पीड़ित महिला की शिकायत के अनुसार 18-19 जून की दरमियानी रात तीन अज्ञात बदमाश खेत में तार चोरी की नीयत से पहुंचे। उन्होंने पहले परिवार से पानी पिया और फिर माचिस मांगी। माचिस नहीं मिलने पर महिला के पति को जबरन खेत की ओर ले गए। झोपड़ी में महिला अपने मासूम बच्चे के साथ अकेली रह गई। महिला का आरोप है, इसी दौरान एक बदमाश वापस लौटा और जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद न्यायालय में उसके बयान भी दर्ज कराए हैं।

पुलिस के अनुसार घटना आमला गांव के एक खेत की है, जहां पति-पत्नी अपने बच्चे के साथ चौकीदारी करते हैं। महिला ने बताया कि रात करीब 12 बजे तीन अज्ञात व्यक्ति झोपड़ी पर पहुंचे। पानी पीने के बाद उन्होंने माचिस मांगी और फिर उसके पति को खेत की ओर ले जाकर मारपीट की। काफी देर तक पति के वापस नहीं लौटने पर महिला झोपड़ी में अकेली थी। इसी बीच एक आरोपी लौट आया और धमकाकर वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता के अनुसार आरोपी ने दुष्कर्म के बाद जान से मारने की धमकी दी और किसी को घटना बताने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। दहशत के कारण उसने तुरंत किसी को कुछ नहीं बताया। बाद में पति के लौटने पर पूरी घटना बताई। इसके बाद परिचितों और खेत मालिक के समझाने पर मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस का कहना है कि मेडिकल परीक्षण और न्यायिक बयान दर्ज कर लिए गए हैं। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर

50 दिवसीय उड़ान समर कैंप का हुआ समापन

पुलिस परिवार और पारधी समुदाय के बच्चों में बढ़ा आत्मविश्वास

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत संचालित 50 दिवसीय ग्रीष्मकालीन समर कैंप उड़ान का शनिवार शाम को रक्षित केंद्र नर्मदापुरम में उत्साह और उमंग के साथ समापन हुआ। पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल ने पुलिस परिवार एवं पारधी समुदाय के बच्चों को शिक्षा, खेल और व्यक्तित्व विकास के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उप पुलिस महानिरीक्षक (सामुदायिक पुलिसिंग) विनीत कपूर, विशिष्ट अतिथि उप पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम रेंज वीरेंद्र कुमार सिंह तथा पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा उपस्थित रहे। करीब डेढ़ घंटे चले कार्यक्रम में बच्चों ने सामूहिक एवं एकल नृत्य, नाटक, कराटे प्रदर्शन, पेंटिंग और विभिन्न खेल गतिविधियों की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम का सबसे प्रेरक क्षण तब देखने को मिला, जब पारधी समुदाय के बच्चों ने अंग्रेजी में

अपना परिचय देकर आत्मविश्वास का परिचय दिया और समर कैंप के अपने अनुभव साझा किए।

मुख्य अतिथि विनीत कपूर ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि उड़ान बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सर्वांगीण विकास के लिए एक अभिनव और लाभकारी पहल है, जिसे आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा। वहीं डीआईजी वीरेंद्र कुमार सिंह ने भी इस प्रयास की प्रशंसा की। पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा ने समर कैंप के संचालन, क्रियान्वयन और पारधी समुदाय के बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने शिविर की गतिविधियों और उसके उद्देश्य की विस्तृत जानकारी दी। गौरतलब है कि 5 मई से शुरू हुए इस समर कैंप में थाना सिवनी मालवा क्षेत्र के ग्राम कोटलाखेड़ी और सिवनी मालवा में निवासरत पारधी समुदाय के 25 बच्चों सहित पुलिस परिवार के कुल 110 बच्चों ने भाग लिया। शिविर में अंग्रेजी संवाद, चित्रकला, नृत्य, व्यक्तित्व विकास, कराटे, फुटबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। समर कैंप के दौरान बच्चों में सीखने की रुचि, अनुशासन, नियमितता, टीम भावना और सामाजिक सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को अतिथियों द्वारा सम्मानित और पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन, एसडीओपी नर्मदापुरम जितेंद्र पाठक, रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल, सुबेदार सूरज जमरा, सुबेदार ईशान रिछारिया सहित रक्षित केंद्र का पुलिस बल उपस्थित रहा। नर्मदापुरम पुलिस का मानना है कि उड़ान केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, विश्वास निर्माण और समुदाय सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो आने वाले समय में बच्चों और उनके परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी।

योगासन एवं योग क्रियाओं से शरीर को रखें स्वस्थ और निरोग

शरीर को फिट रखने के साथ सकारात्मक उर्जा देता है योग, बीमारियां रहती हैं दूर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

इस तनावपूर्ण भरे जीवन से स्वंय को स्वस्थ और मजबूत रखने के लिए आज प्रत्येक व्यक्ति के लिए योग बेहद जरूरी है। योग न केवल हमें शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है, बल्कि मन को शांति पहुंचाने में भी मदद करता है यदि आप अपनी दिनचर्या में रोजाना योग को शामिल करें, डाइट का ख्याल रखें और हेल्दी भोजन को अपनाएं तो जीवनभर बीमारियों से बचें रहेंगें ये बात नगर वासियों को योगाचार्यों ने कही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न योग संस्थाओं व प्रशासन ने सभी को योग करने के लिए प्रेरित किया है। योग दिवस को सफल बनाने के लिए बीते कुछ दिनों से तेंदूखेड़ा नगर सहित ग्राम पंचायतों में संस्थाओं द्वारा आम नागरिकों योग व ध्यान से होने वाले लाभों को गिनाते हुए योगाभ्यास कराया गया है।

योगाचार्यों ने कहा-शरीर को स्वस्थ और फिट रखने जरुरी है योग

शोभाराम नामदेव कहते हैं कि योग न केवल हमारे शरीर की मांसपेशियों को अच्छा व्यायाम देता है, बल्कि यह हमारे दिमाग को शांत रखने में भी सहायक है योग शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है।

सेवानिवृत्त एसडीओ बीएल साहू यादव कहते हैं कि यदि आप योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं तो आप तनाव मुक्त जीवन जी सकते हैं। अध्ययनों में पता चलता है कि आज हर दूसरा व्यक्ति तनाव में हैं आज विश्व योग दिवस से हम सभी संकल्प लें कि दिनचर्या में योग को शामिल करेंगे।

डॉ. जेपी खरे कहते हैं कि योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ बनाता है। क्योंकि यह हमें रोगों से लड़ने की शक्ति देता है। हृदयरोग, मधुमेह, अस्थमा जैसी कई अन्य बीमारियों के लिए योग की सलाह दी जाती है। योग को जीवनशैली में शामिल करके हम मोटापा को नियंत्रित कर सकते हैं।

प्राचार्य रघुराज सिंह राजपूत कहते हैं कि सुबह-सुबह नित्य प्रतिदिन योग करने से दिन भर की चिंताओं से व्यक्ति को निजात मिलती है और शारीरिक व मानसिक रूप से भी व्यक्ति स्वस्थ तंदुरूस्त रहता है प्राणायाम योगा तनाव दूर करने का कारगर उपाय है।

न्यूज विंडो

पत्रकारिता समाज का दर्पण है: कैलाश सोनी

नरसिंहपुर। हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हिन्दी अकादमी एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा दीप्ति कुशवाह (पुणे) द्वारा संकल्पित और निर्मित पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कैलाश सोनी पूर्व राज्यसभा सांसद के मुख्य आतिथ्य, पं. मैथिलीशरण तिवारी, वरिष्ठ समाज सेवी की अध्यक्षता, समाजसेवी सुनील कोठारी, डॉ. सुधीर सिंघई वरिष्ठ साहित्यकार के विशिष्ट आतिथ्य एवं डॉ. अशोक कुमार गर्ग, प्राचार्य एम. आई. एम. टी. कॉलेज तथा साहित्यकार अजय तुलसी की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कैलाश सोनी ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण है तथा पत्रकारिता ने समाज को सूचना एवं चेतना देने का काम किया है। आपने सतयुग से लेकर वर्तमान तक पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी ने पत्रकारिता को साहस, निष्पक्षता, समाजसेवा का पर्याय बताते हुए युवा पीढ़ी को सीख लेने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि सुनील कोठारी ने पत्रकारिता को समाजहित में उपयोगी निरूपित करते हुए सजगता का प्रहरी बताया। अतिथि सुधीर सिंघई ने पत्रकारिता को संविधान एवं समाज की श्वास बताते हुए समाज के उत्थान की बात कही। दीप्ति कुशवाह ने प्रदर्शनी की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नरसिंहपुर उनका मायका है और यह प्रदर्शनी उनके लिए अपनी जन्मभूमि को आभार कहने का भावुक अवसर है।

नीट की तैयारी कर रही अवंतिका नहीं रही, गांव में हुआ अंतिम संस्कार

धार। एक पिता ने अपनी बेटी के लिए वही सपना देखा था, जिसे कभी उसने खुद अपने जीवन में पूरा किया था। वह चाहता था कि उसकी बेटी भी डॉक्टर बने, लोगों की सेवा करे और परिवार का नाम रोशन करे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। डॉक्टर बनने का सपना देख रही अवंतिका मौर्य अब इस दुनिया में नहीं है। उसकी असमय मौत ने न केवल एक परिवार को गहरे दुख में डुबो दिया, बल्कि पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। मध्य प्रदेश के धार जिले के गंधवानी इलाके के अंतर्गत आने वाले ग्राम बलवारी खुर्द में रहने वाली अवंतिका मौर्य सूबे के ही इंदौर शहर में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। परिवार को उम्मीद थी कि, एक दिन वो डॉक्टर बनकर अपने पिता के सपनों को नई उड़ान देगी, लेकिन दो दिन पहले हुए हादसे ने उन सभी उम्मीदों को हमेशा के लिए थाम दिया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि, परीक्षा व्यवस्था, पेपर लीक और बढ़ते प्रतिस्पर्धी दबाव ने युवाओं के भीतर असुरक्षा और चिंता का माहौल पैदा किया है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। सिंघार ने उनकी विधानसभा की बेटी अवंतिका मौर्य के परिवार को एक लाख की आर्थिक सहायता भी प्रदान की है। जब अवंतिका की अंतिम यात्रा उसके गृहग्राम बलवारी खुर्द पहुंची तो गांव का माहौल गमगीन हो गया। नम आंखों और भारी मन से लोगों ने उसे अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीण, रिश्तेदार और शुभचिंतक शामिल हुए। हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल था, इतनी होनहार बेटी इतनी जल्दी क्यों चली गई। अवंतिका के पिता डॉ. बनसिंग मौर्य स्वयं एमबीबीएस डॉक्टर हैं और मौजूदा समय में भीकनगांव में मेडिकल ऑफिसर के पद पर पदस्थ हैं। बेटी की याद में उनका दर्द शब्दों में बयां नहीं हो पा रहा। उन्होंने बताया कि, अवंतिका डॉक्टर बनने के लिए पूरी मेहनत कर रही थी।

नीमच की घटना: गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने लापरवाही के लगाए आरोप

पिता ने बस में बैठाया, फिर रहस्यमयी ढंग से लापता हुई बेटी, 7 दिन बाद मिला कंकाल

नीमच। दोपहर मेट्रो

जिले में रहस्यमयी ढंग से लापता हुई युवती का कंकाल सात दिन बाद मिलने से सनसनी फैल गई। गांधीसागर क्षेत्र के जंगल में मानव कंकाल मिलने के बाद पुलिस युवती के परिजनों को मौके पर लेकर गई थी। जहां परिजनों ने पायल और कपड़ों को देखकर युवती की शिनाख्त की है।

युवती का नरकंकाल मिलने के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

नीमच जिले के सालरमाला गांव के रहने वाले निवासी गोपाल ने 12 जून को अपनी बेटी जानीबाई को उसके ससुराल रावतभाटा भेजने के लिए बस में बैठाया था। पिता ने बाकायदा रावतभाटा तक का टिकट दिलवाया और बस कंडक्टर को भी उसे सुरक्षित उतारने की जिम्मेदारी सौंपी थी। यात्रा के दौरान गांधीसागर तक परिजनों का युवती से मोबाइल पर संपर्क बना रहा, लेकिन इसके बाद अचानक उसका फोन बंद हो गया और उससे संपर्क पूरी तरह टूट गया। जब परिजनों ने रावतभाटा स्थित ससुराल पक्ष से संपर्क किया तो पता चला कि जानीबाई वहां पहुंची ही नहीं थी।

रहस्यमयी ढंग से हुई थी लापता

इसके बाद परिवार के लोगों ने रावतभाटा सहित आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बढ़ती चिंता के बीच परिजनों ने रामपुरा थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई और अपहरण अथवा अनहोनी की आशंका जताई। परिजनों का आरोप है कि तलाश के दौरान गांधीसागर क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर गांव का ही एक युवक बल्लू अपनी मोटरसाइकिल से उस बस का पीछा करता दिखाई दिया,जिसमें जानीबाई सफर कर रही थी। इस आधार पर परिवार ने 13 जून को ही पुलिस को उक्त युवक के संबंध में जानकारी देते हुए संदेह व्यक्त किया था। परिजनों का कहना है कि यदि पुलिस समय रहते संदिग्ध से सख्ती से पूछताछ करती और मामले को गंभीरता से लेती तो शायद युवती की जान बच सकती थी।

कपड़े और पायजेब बरामद

गुमशुदगी के सात दिन बाद 19 जून को पुलिस परिजनों को गांधीसागर के समीप एक सुनसान जंगल क्षेत्र में ले गई, जहां एक मानव कंकाल, कुछ कपड़े और एक पैर की पायजेब बरामद हुई। मौके पर मौजूद परिजनों ने कपड़ों और पायजेब के आधार पर उसकी पहचान जानीबाई के रूप में की। जंगल में कंकाल मिलने की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। शनिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क पर उतर आए और नीमच-झालावाड़ मार्ग पर चक्काजाम कर दिया।

पीड़ित पिता ने पुलिस पर लगाए लापरवाही के आरोप

मृतका के पिता गोपाल ने रोते हुए आरोप लगाया कि पुलिस की धीमी कार्यप्रणाली के कारण उनकी बेटी की जान चली गई। ग्रामीणों ने कहा कि यदि ऐसे मामलों में समय रहते कार्रवाई नहीं होगी तो लोगों का कानून व्यवस्था पर से विश्वास उठ जाएगा चक्काजाम और बढ़ते जनआक्रोश की सूचना मिलते ही प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने बताया कि मामले में तकनीकी साक्ष्यों और फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर गहन जांच की जा रही है तथा एक संदिग्ध युवक को राउंडअप कर पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

कटनी में 23 साल की नर्स की संदिग्ध मौत, कमरे में मिला शव और इंजेक्शन के रैपर, पड़ताल जारी

कटनी। दोपहर मेट्रो

कटनी में एक 23 साल की नर्स की लाश किराए के कमरे में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान सेजन नोनिया के तौर पर हुई है जो कटनी में एक निजी अस्पताल में नर्स थी और शहडोल जिले की रहने वाली थी। बताया गया है कि नर्स ने तीन महीने पहले ही किराए पर मकान लिया था। सुबह से उसके कमरे में किसी तरह की हलचल न होने पर मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी थी। जिसके बाद पुलिस कमरे में पहुंची तो नर्स की लाश मिली।

पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान सेजन नोनिया के तौर पर हुई है जो कि मदन मोहन चौबे वार्ड में बीते करीब 3 महीने से मीना यादव के मकान में किराए से रह रही थी। सेजन एक निजी अस्पताल में नर्स थी। सुबह से सेजन के कमरे का दरवाजा नहीं खुला और कमरे में किसी तरह की हलचल न होने के कारण मकान मालिक को शक हुआ। मकान मालिक ने दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला, इसके बाद मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो कमरे में नर्स का शव मिला है, कमरे में इंजेक्शन के कुछ रैपर भी मिले हैं। बताया गया है कि नर्स शुक्रवार रात को ड्यूटी कर रोजाना की तरह घर लौटी थी और अपने कमरे में चली गई थी। सुबह पानी भरने के लिए उसे पड़ोसियों ने आवाज दी तो कोई जवाब नहीं मिला। पुलिस ने नर्स के परिजनों को शहडोल में सूचना दे दी है। प्रारंभिक जांच के दौरान कमरे से कुछ इंजेक्शन के अवशेष भी मिले हैं, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का नजर आ रहा है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस हर पहलू से जांच करने की बात कह रही है।

सीहोर में लाड़ली बहना की किस्त निकालने आई महिला, बैंक के बाहर चाकू से पूर्व पति की हत्या

सीहोर। दोपहर मेट्रो

जिले में बैंक के सामने एक खूनी संघर्ष का मामला सामने आया है। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती पचामा गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। बैंक आफ इंडिया शाखा में लाड़ली बहना योजना की राशि निकालने पहुंची एक महिला के पूर्व पति और वर्तमान ससुराल पक्ष (देवर) के बीच का विवाद अचानक खूनी संघर्ष में बदल गया। इस संघर्ष में महिला के पूर्व पति की उसके वर्तमान देवर ने चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम थूना कला की रहने वाली एक महिला ने कुछ समय पूर्व बारवाखेड़ी निवासी प्रताप मालवीय से दूसरा विवाह किया था। शनिवार को महिला अपने वर्तमान देवर धर्मेंद्र मालवीय के साथ पचामा स्थित बैंक ऑफ इंडिया में लाड़ली बहना योजना की किश्त की राशि निकालने आई थी। इसी दौरान वहां महिला का पूर्व पति बबलू मालवीय भी पहुंच गया। बैंक के बाहर अचानक दोनों पक्षों का आमना-सामना हो गया। तीनो के बीच पहले बहस हुई फिर बात हाथापाई तक आ पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पूर्व पति बबलू और महिला के वर्तमान देवर धर्मेंद्र मालवीय के बीच पहले किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच हिंसक झड़प होने लगी। इसी बीच, आरोपी धर्मेंद्र ने तैश में आकर अपने पास रखे चाकू से बबलू के पेट पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले से बबलू लहूलुहान हो गया और सड़क पर पड़ा रहा। बबलू पर हमला करने बाद महिला और उसका देवर मौके से फरार हो गए। चाकू लगने से बबलू लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। गंभीर रूप से घायल बबलू को स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से तुरंत अस्पताल ले जाया गया लेकिन घाव गहरे होने के कारण उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने इस मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश व मामले के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पचामा क्षेत्र के नागरिकों में दहशत का माहौल है। प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे प्रेम प्रसंग और आपसी विवाद को कारण माना जा रहा है।

मेट्रो एंकर

मप्र विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन नरसिंहपुर शाखा का तृतीय स्थापना दिवस समारोह संपन्न

पेंशनर्स के हितों से जुड़े विषयों पर सहयोग करने का दिया आश्वासन

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन, शाखा नरसिंहपुर का तृतीय स्थापना दिवस समारोह गायत्री मंदिर परिसर में उत्साह, उल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि अधीक्षण अभियंता (संचा एवं संधा) वृत्त नरसिंहपुर नीलाभ श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त मुख्य महाप्रबंधक ए.के. शर्मा ने की, जबकि सेवानिवृत्त मुख्य महाप्रबंधक व्ही.के. जैन, कार्यपालन अभियंता विवेक जशेले तथा मेडसेव स्वास्थ्य लाभ योजना के जबलपुर क्षेत्र प्रभारी आशुतोष तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्थापना दिवस को विद्युत पेंशनर्स सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए मेडसेव स्वास्थ्य लाभ योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा एवं कैशलेस चिकित्सा सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। आशुतोष तिवारी ने ओपीडी, आईपीडी, चिकित्सा प्रतिपूर्ति एवं कैशलेस उपचार व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित पेंशनर्स एवं परिवार पेंशनर्स की जिज्ञासाओं का समाधान किया। मुख्य अतिथि नीलाभ श्रीवास्तव ने पेंशनर्स के हितों से जुड़े विषयों पर सहयोग का आश्वासन दिया, जबकि अध्यक्ष ए.के. शर्मा तथा विशिष्ट अतिथियों व्ही.के. जैन एवं विवेक जशेले ने संगठन की सक्रियता एवं सेवा कार्यों की सराहना की। प्रांतीय संगठन सचिव हरप्रसाद कहार, जीके चतुर्वेदी, एस.एल. रघुवंशी, अशोक गुप्ता, ऋषिकुमार महोबिया, अरुण खरे सहित अन्य पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती, सदस्य सहभागिता एवं पेंशनर्स कल्याण से जुड़े विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर शाखाध्यक्ष बी.एस. पटेल की अनुमति से ऋषिकुमार महोबिया को शाखा का मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया तथा गोटेगांव उपसंभाग स्तर पर नई कार्यकारिणी के गठन को स्वीकृति प्रदान की गई। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर मध्यप्रदेश शासन से विद्युत पेंशनरों की पेंशन भुगतान व्यवस्था की शासकीय गारंटी सुनिश्चित किए जाने की मांग की गई। कार्यक्रम का संचालन जी.के. चतुर्वेदी एवं आभार प्रदर्शन बी.एस. पटेल द्वारा किया गया। समापन पर दिवंगत पेंशनर्स एवं परिजनों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह में नरसिंहपुर, करेली एवं गोटेगांव क्षेत्र से एल.पी. कहार, सी.एल. कहार, एस.के. गुप्ता, एस.के. कुर्मी, जे.के. सोनी, घनश्याम पटेल, नेतराज सिंह कौरव, जीपी नायक,जी.पी. विश्वकर्मा, ए.एस. चौधरी, एम.एल. ऊमरे, अमर सिंह चौधरी, मोतीलाल पटेल, जयराम मेहरा, लक्ष्मीबाई, मुन्नीबाई, दशरथ पटेल, मोहनलाल काछी, रामकुमार पटेल, चेतराम नौरिया, गेंदालाल कोरी, श्यामलाल सारठे, रामकुमार कौरव, सी.एल. गर्ग, एस.पी. कहार, सुरेश जैन, सतीश नामदेव, नारायण प्रसाद, श्यामलाल, महेश कुमार मेहरा, कोदूलाल ठाकुर, शिवप्रसाद पठारिया, अजीम खान, अनिललाल मेहरा, पर्वतसिंह रजक, पेंशनर समाज से प्रेमशंकर राघव, अशोक त्रिपाठी, डॉ महेश त्रिपाठी एसके चतुर्वेदी, रमेश कुमार मेहरा, एम.के. श्रीवास्तव, एन.सी. जैन, दशरथ प्रसाद लोधी तथा एम.सी. रैकवार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, सदस्य, पेंशनर्स एवं परिवार पेंशनर्स उपस्थित रहे।

फीफा विश्व कप 2026 : नीदरलैंड का दमदार प्रदर्शन, ब्रॉबी-गैक्पो चमके

एकतरफा मुकाबले में स्वीडन को हराया, 5-1 से नाम किया मैच

ह्यूस्टन, एजेंसी

ग्रुप-एफ के मुकाबले में नीदरलैंड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वीडन को 5-1 से करारी शिकस्त दी। ह्यूस्टन स्टेडियम में खेले गए टूर्नामेंट के 35वें मुकाबले में नीदरलैंड ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाई और स्वीडन को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। ब्रायन ब्रॉबी और कॉडी गैक्पो ने दो-दो गोल दागे, जबकि क्राइसेंसियो समरविले ने एक गोल कर जीत को और शानदार बना दिया।

नीदरलैंड ने मैच के शुरुआती मिनटों से ही आक्रामक तेवर दिखाए। इसका फायदा टीम को पांचवें मिनट में मिला, जब ब्रायन ब्रॉबी ने बेहतरीन फिनिश के साथ गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। शुरुआती गोल के बाद स्वीडन दबाव में आ गया और नीदरलैंड लगातार हमले करता रहा। नीदरलैंड के हमले यहीं नहीं रुके। 17वें मिनट में ब्रॉबी ने एक बार फिर कमाल दिखाया और अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद स्वीडन ने कुछ हमले जरूर किए, लेकिन नीदरलैंड की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। पहले हाफ की समाप्ति तक नीदरलैंड 2-0 से आगे था।

गैक्पो ने बढ़ाई स्वीडन की मुश्किलें

दूसरे हाफ की शुरुआत भी नीदरलैंड के नाम रही। 47वें मिनट में कॉडी गैक्पो ने गोल कर टीम की बढ़त 3-0 कर दी। इसके बाद 54वें मिनट में गैक्पो ने अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 4-0 कर दिया। लगातार हमलों के सामने स्वीडन की टीम पूरी तरह संघर्ष करती नजर आई।

एलांगा ने दिलाई सांत्वना

चार गोल से पिछड़ने के बाद स्वीडन को 59वें मिनट में पहली सफलता मिली। एंथनी एलांगा ने शानदार गोल कर टीम का खाता खोला और स्कोर 4-1 कर दिया। हालांकि इसके बाद भी स्वीडन मैच में वापसी की लय नहीं पकड़ सका। मैच के अंतिम मिनटों में नीदरलैंड ने एक और गोल कर अपनी जीत को और बड़ा बना दिया। 89वें मिनट में क्राइसेंसियो समरविले ने गोल दागते हुए स्कोर 5-1 कर दिया।

डेनिज उन्दाव के डबल से जर्मनी जीता आइवरी कोस्ट को 2-1 से दी शिकस्त

टोरंटो। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में जर्मनी ने शानदार वापसी करते हुए आइवरी कोस्ट को 2-1 से हरा दिया। टोरंटो स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में एक समय जर्मन टीम पिछड़ रही थी, लेकिन डेनिज उन्दाव के दो गोलों की बदौलत उसने जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ जर्मनी ने नॉकआउट चरण में अपनी जगह भी पक्की कर ली।

मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। जर्मनी ने गेंद पर अधिक नियंत्रण रखा और लगातार मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन आइवरी कोस्ट की रक्षापंक्ति मजबूती से डटी रही। मैच का पहला गोल 30वें मिनट में आया। यान डियोमांडे की शानदार रन के बाद बने मौके का फायदा उठाते हुए फ्रेंक कैसी ने बेहतरीन फिनिश किया और आइवरी कोस्ट को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद जर्मनी ने बराबरी के लिए कई प्रयास किए, लेकिन हाफ-टाइम तक स्कोर 1-0 ही रहा।

दूसरे हाफ में जर्मनी ने की जोरदार वापसी

ब्रेक के बाद जर्मनी ने खेल की रफ्तार बढ़ा दी और लगातार आइवरी कोस्ट के गोल पर दबाव बनाया। इसका फायदा 68वें मिनट में मिला, जब सब्स्टीट्यूट डेनिज उन्दाव ने शानदार गोल दागकर टीम को 1-1 की बराबरी दिला दी। इस गोल के बाद मुकाबला और रोमांचक हो गया। दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष करती रहीं, लेकिन जर्मनी के हमले लगातार ज्यादा खतरनाक नजर आए।

आंकड़े दे रहे गवाही : कोहली से तुलना तो दूर की बात

शुभमन के आगे पानी भरते नजर आए बाबर, 63 पारियों में ही निकली हवा

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट गलियारों में अक्सर कुछ पाकिस्तानी फैंस और पूर्व दिग्गज बाबर आजम की तुलना महान विराट कोहली से करके उन्हें %किंग% साबित करने की नाकाम कोशिश करते हैं, लेकिन जब आंकड़ों का आईना सामने आता है, तो सच कुछ और ही बयां करता है।

पाकिस्तान के बाबर आजम जिस %किंग% के टैग को लेकर घूमते हैं, भारतीय क्रिकेट के %प्रिंस% शुभमन गिल ने करियर की शुरुआती 63 वनडे पारियों में ही उस टैग की हवा निकाल दी है। दोनों बल्लेबाजों के शुरुआती 63 वनडे पारियों के आंकड़ों ने यह साफ कर दिया है कि बाबर आजम, शुभमन के आस-पास भी नहीं ठहरते।

आंकड़ों का पंच: कहां टिकते हैं बाबर?

जब दोनों खिलाड़ियों के करियर के एक ही पड़ाव (63 पारियों) की तुलना की जाती है, तो बाबर आजम हर मोर्चे पर पस्त नजर आते हैं।

रनों का अंबार: शुभमन गिल ने 63 पारियों में 3191 रन कूट डाले हैं, जबकि बाबर आजम सिर्फ 2761 रन ही बना सके थे। यानी गिल सीधे तौर पर 430 रन आगे हैं।

औसत में भी मात: गिल का वनडे औसत 59.09 का है, जो उनके कमाल के कंसिस्टेंसी को दिखाता है। वहीं, बाबर आजम ने शुरुआती 63 वनडे पारियों में 51.12 के औसत से रन बनाए थे। गिल से कोसों आगे खड़े हैं।

स्ट्राइक रेट का हाल: आधुनिक वनडे क्रिकेट में स्ट्राइक रेट सबसे मायने रखता है। गिल जहां 101.04 के तूफानी स्ट्राइक रेट से गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हैं, वहीं, बाबर आजम ने 85.77 के स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए थे और बेहद सुस्त नजर आए थे।

बड़ी पारियां खेलने का दम: गिल के नाम वनडे में 208 रनों की ऐतिहासिक डबल सेंचुरी है। इसके विपरीत, बाबर का उच्चतम स्कोर 63 पारियों तक केवल 125 रन ही था।

कमजोर टीम के सामने ही टिकते हैं बाबर

क्रिकेट फैंस इस बात से भली-भांति वाकिफ हैं कि विराट कोहली का वनडे रिकॉर्ड एक अलग ही ग्रह का है। बाबर आजम के फैंस उनकी तुलना कोहली के रिकॉर्ड से करते नहीं थकते, लेकिन असली मजे की बात तो यह है कि बाबर आजम भारत के इस युवा बल्लेबाज (शुभमन गिल) के सामने ही घुटने टेकते दिख रहे हैं। बाबर आजम को जहां पाकिस्तान में किंग का रुतबा दिया जाता है, वहीं क्रिकेट के असली शहंशाहों के सामने उनके ये आंकड़े बताते हैं कि वह सिर्फ कमजोर टीमों के खिलाफ रन बटोरने वाले (स्टैटपैडर) बनकर रह गए हैं। 63 पारियों के ये आंकड़े गवाह हैं कि बाबर आजम का गेम न तो गिल जैसी आक्रामकता रखता है और न ही कोहली जैसी मैच जिताने वाली क्लास।

हसीन वादियों में पत्नी संग रोमांटिक हुए क्रिकेटर शिखर, लेडी लव ने किया किस

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन दूसरी शादी के बाद से ड्रीम लाइफ जी रहे हैं। शिखर अक्सर अपनी लेडी लव सोफी शाइन संग रोमांटिक मोमेंट्स शेयर करते हैं। शिखर धवन ने अब एक बार फिर अपनी स्वीटहार्ट सोफी संग अपने रोमांटिक वेकेशन की कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें दोनों एक दूजे संग क्वालिटी टाइम स्पेंड करते हुए दिखे। एक तस्वीर में सोफी शिखर को प्यार से गाल पर किस करती हुई दिखाई दे रही हैं। दोनों एक दूजे के प्यार डूबे नजर आए।

खूबसूरत नजारों के बीच बिताए पल

नीला आसमान, चारों तरफ हरियाली और समंदर के खूबसूरत नजारों के बीच पावर कपल शिखर धवन और सोफी शाइन हसीन पल बिताते दिखे। शिखर और सोफी की मिलियन डॉलर स्माइल देखकर साफ जाहिर है कि दोनों एक दूसरे संग हर एक मोमेंट को कितना ज्यादा एन्जॉय कर रहे हैं। शिखर धवन और सोफी शाइन की रोमांटिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। फैंस कपल पर प्यार लुटा रहे हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कृति सेनन के बोल्ड सीन बने चर्चा का विषय

क्लोजअप बिकनी शॉट्स पर भड़के यूजर्स, बोले- बी-ग्रेड

कृति सेनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म कॉकटेल 2 बड़े पर्दे पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म को आलोचकों और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है, लेकिन कृति के बिकिनी सीन सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं। पेद्दी में जाह्नवी कपूर के बाद अब कॉकटेल 2 की रिलीज के साथ यूजर्स फिर से फिल्मों में एक्ट्रेस के आई-कैंडी होने पर बात कर रहे हैं, खासकर कृति के बिकिनी सीन पर।

कॉकटेल 2 में कृति सेनन को बिकिनी में फिगर फ्लॉन्ट करते देखा गया। एक सीन में कृति सेनन के क्लोजअप बिकिनी शॉट्स दिखाए गए। कृति के क्लोजअप बिकिनी शॉट्स देखकर इंटरनेट पर हंगामा हो गया है। एक यूजर ने लिखा कि क्या कृति के क्लोजअप बिकिनी शॉट्स होने चाहिए थे, नहीं। दूसरे ने लिखा कि अब हम पाखंडी नहीं बन सकते। अगर हमने पेद्दी में जाह्नवी कपूर के चित्रण पर आवाज उठाई थी, तो हमें कॉकटेल 2 पर भी वही बात उठानी चाहिए। सीन सेन्सुअल था और बिकिनी शॉट्स की मांग करता था, पर पीछे से क्लोजअप सही नहीं लगे।

हिन्दी सिनेमा का पाखंडी रवैया

अन्य ने लिखा कि पाखंड!! जो लोग कॉकटेल 2 में कृति सेनन के बिकिनी और दूसरे क्लोजअप स्किन शो शॉट्स पर वाह-वाही कर रहे हैं, वही लोग थे जिन्होंने जाह्नवी के पेद्दी के क्लोजअप शॉट पर महिलाओं के आई-कैंडी पर रोना मचाया था। एक शख्स ने लिखा कि हिंदी सिनेमा का पाखंडी रवैया महिलाओं के गंदे चित्रण को गैसलाइट कर रहा है। कृति की नाभि और चेस्ट के शर्मनाक शॉट्स। सहमति की कोई परवाह नहीं। कॉकटेल 2 बॉक्स ऑफिस की बात करें, तो इसकी शुरुआत अच्छी रही है। फिल्म पहले दिन भारत में लगभग ऋ 10-12 करोड़ के बीच कमा सकती है, जो कि एक अच्छा नंबर माना जाएगा।

राजनीतिक घराने की बहू बनेगी कपूर खानदान की बेटी, कंफर्म किया रिश्ता?

कहते हैं कि सच्चा प्यार छिपाने से भी नहीं छिपता। बॉलीवुड की गॉर्जियस डीवा जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया का खूबसूरत रिश्ता भी किसी से छिपा नहीं है। जाह्नवी अक्सर अपने अंदाज में शिखर पर प्यार लुटाती हुई नजर आती हैं। अब एक बार फिर दोनों का रिश्ता हेडलाइन्स में आ गया है।

जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। जाह्नवी और शिखर ने यूं तो अब तक अपने प्यार को ऑफिशियल नहीं किया है। लेकिन एक दूसरे के लिए दोनों के लविंग पोस्ट उनके रिश्ते को जगजाहिर करते हैं।

जाह्नवी की नाइट सूट में अब एक तस्वीर सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रही है। खास बात यह है कि जाह्नवी की टी-शर्ट पर उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का नाम लिखा है। टी-शर्ट पर लिखा है- अगर मैं खो जाऊं, तो प्लीज शिखर पहाड़िया के पास पहुंचा दें।

जाह्नवी की टी-शर्ट पर लिखे इस कैप्शन ने फैंस का दिल जीत लिया है। फैंस जाह्नवी और शिखर के रिश्ते को अब पूरी तरह से कंफर्म मान रहे हैं। जाह्नवी ने जिस तरह शिखर पर प्यार लुटाया है, उनके इस अंदाज को फैंस सुपर क्यूट बता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- कितना क्यूट है। दूसरे ने लिखा- प्यार हो तो ऐसा। अन्य यूजर ने लिखा- प्यार छिपता नहीं है।

बता दें कि इससे पहले भी जाह्नवी शिखर के नाम का पेंडेंट पहने हुए नजर आ चुकी हैं। शिखर पर प्यार लुटाने का एक्ट्रेस कोई मौका नहीं छोड़तीं। पार्टी से लेकर वेकेशन तक दोनों अक्सर साथ नजर आते हैं। कपूर खानदान के हर फैमिली फंक्शन में भी शिखर को स्पॉट किया जाता है। इससे इतना तो साफ है कि शिखर और जाह्नवी के रिश्ते को परिवार की मंजूरीभी मिल गई है।

मेट्रो बाजार

बाजार में रौनक, हफ्ते भर में निफ्टी और सेंसेक्स ने दर्ज की करीब 1.7 प्रतिशत की बढ़त

मुंबई । अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर बढ़ी उम्मीदों तथा ब्रेंट क्रूड की कीमतों में गिरावट के कारण निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ, जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे सप्ताह मजबूत बढ़त दर्ज करने में सफल रहे। इस सप्ताह के दौरान निफ्टी में 1.65 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें 0.64 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 24,013.10 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स 607 अंक यानी 0.78 प्रतिशत गिरकर 76,802 पर बंद हुआ। इसके बावजूद पूरे सप्ताह में सेंसेक्स ने 1.69 प्रतिशत की बढ़त हासिल की।

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन घरेलू बाजार में सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिला। हाल के तीन कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद आईटी शेयरों में तेज बिकवाली के कारण बाजार पर दबाव बना रहा। वहीं, ब्रेंट क्रूड की कीमतें अमेरिका-ईरान शांति समझौते की संभावनाओं के बीच 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई थीं, लेकिन सप्ताह के अंत में शांति वार्ता अचानक रद्द होने और मुनाफावसूली के चलते कीमतों में गिरावट का सिलसिला थम गया। सप्ताह के दौरान रुपया डॉलर के मुकाबले लगभग 79 पैसे मजबूत होकर 94.35 प्रति डॉलर के स्तर के आसपास पहुंच गया। विश्लेषकों का मानना है कि भू-राजनीतिक स्थिति में सुधार से अगले सप्ताह भी बाजार की धारणा को समर्थन मिल सकता है।

पीयूष गोयल बोले- नौ व्यापार समझौतों ने भारतीय उत्पादों के लिए खोले वैश्विक बाजार

मुंबई । केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने के अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को घोषणा की कि बहुप्रतीक्षित भारत-यूनाइटेड किंगडम (यूके) मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 15 जुलाई से लागू होने जा रहा है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने संभावनाओं वाले देश से आत्मनिर्भर वैश्विक शक्ति बनने तक का आत्मविश्वास भरा सफर तय किया है। इस अवसर पर राज्य सह-मीडिया प्रमुख ओमप्रकाश चौहान और राज्य प्रवक्ता पंकज मोदी भी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि इससे भारतीय उत्पादों के लिए नए वैश्विक बाजार खुले हैं, रोजगार के अवसर बढ़े हैं और खास तौर पर भारतीय उद्यमियों, किसानों, मछुआरों और महिला कारोबारियों के लिए व्यापार के नए रास्ते बने हैं।

पीयूष गोयल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की हालिया फ्रांस यात्रा के दौरान हुई द्विपक्षीय वार्ताएं और 15 जुलाई से लागू होने वाला भारत-ब्रिटेन एफटीए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निकट भविष्य में बड़े सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया के 33 देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। इनमें कई विकसित देश और ऐसे राष्ट्र भी शामिल हैं जिनके साथ भारत के पहले बहुत करीबी कूटनीतिक संबंध नहीं रहे थे। देश के भीतर किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए गोयल ने कहा कि सरकार की मूल सोच बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की रही है, जिसमें डिजिटल तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

अरुणाचल की जीरो वैली : यहां पर्यटक साल भर में कभी भी जा सकते हैं

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में बसी जीरो वैली का नाम यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया है। इस घाटी की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों के बीच प्रसिद्ध है। खास बात यह है कि जीरो वैली में पर्यटक साल भर में कभी भी जा सकते हैं। यहां का मौसम बहुत ज्यादा ठंडा नहीं रहता है, ऐसे में यहां मौसम के मुताबिक घूमने की बंदिश नहीं होती। जीरो वैली में आपको टैली वैली वन्यजीव अभयारण्य, मेघना गुफा मंदिर, काइल पाखो, मिडी और जीरो पुटो जैसे खूबसूरत जगहें घूमने को मिलेंगी।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर पीएम मोदी बोले -देश अब केवल एक खरीदार नहीं रहा

स्वदेशी INS अग्रय, संशोधक और दूनागिरी युद्धपोत नौसेना में हुए शामिल

कोलकाता, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर तीन स्वदेश निर्मित नौसैनिक जहाजों को राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें एक गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट डूनागिरी, दूसरा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट अग्रह और तीसरा सर्वे वेसेल लार्ज संशोधक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन नेवल प्लेटफ़ॉर्म -आईएनएस अग्रय, आईएनएस संशोधक और आईएनएस दूनागिरी को नोसेना में शामिल किया है।

कमीशनिंग से पहले नौसेना ने यूट्यूब पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में डुनागिरी को एक शक्तिशाली और उन्नत युद्धपोत बताया। वीडियो में कहा गया, 'परिशुद्धता। शक्ति। चपलता। अत्याधुनिक हथियार और सेंसर सूट से भरपूर, लंबे समुद्री पैरों के लिए इंजीनियर, निरंतर संचालन और स्वदेशी स्टील्थ तकनीक से लैस दूनागिरी को बहु-आयामी प्रभुत्व और घातकता के लिए बनाया गया है। डूनागिरी: निर्णायक निडर प्रभुत्व। पीएम मोदी ने रक्षा में आत्मनिर्भरता के लिए भारत के जोर को रेखांकित करते हुए कहा कि देश अब केवल एक खरीदार नहीं रह सकता है और इसकी सशस्त्र सेना दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती है।

भारतीय नौसेना होगी मज़बूत

पीएम मोदी औपचारिक रूप से इन तीन स्वदेशी प्लेटफॉर्म को नौसेना में शामिल करेंगे, जिससे भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल क्षमताएं और मज़बूत होंगी। ये तीनों जहाज कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा बनाए गए हैं, जो 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन के तहत रक्षा निर्माण में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता को दर्शाते हैं।

आईएनएस संशोधक: समुद्र तल का नक्शा बनाना मुख्य काम

आईएनएस संशोधक एक अत्याधुनिक हाइड्रोग्राफिक सर्वे वेसल (समुद्री सर्वेक्षण जहाज) है। इसका मुख्य काम समुद्र तल का नक्शा बनाना, हाइड्रोग्राफिक सर्वे करना, सुरक्षित नेविगेशन रूट की पहचान करना और जरूरी ओशनोग्राफिक डेटा उपलब्ध कराना है। मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों के दौरान, यह जहाज एक फ्लोटिंग मेडिकल सपोर्ट प्लेटफॉर्म के तौर पर भी काम कर सकता है।

आईएनएस अग्रय: दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना है

आईएनएस अग्रय एक एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट है, जिसे तटीय और उथले पानी में काम करने वाली दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने, उन्हें ट्रैक करने और उन्हें नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह जहाज एडवांस्ड सोनार सिस्टम, एंटी-सबमरीन रॉकेट, टॉरपीडो और 30-द्वद्व नेवल गन से लैस है। यह माइन बिछाने में भी सक्षम है, जिससे भारत की तटीय रक्षा क्षमताएं काफी बढ़ जाती हैं।

आईएनएस दूनागिरी: एंटी-सबमरीन वॉरफेयर मिशन को अंजाम देने में सक्षम

आईएनएस दूनागिरी भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 17 के तहत एक अहम युद्धपोत है और यह एडवांस्ड नीलगिरी-क्लास स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट श्रेणी का हिस्सा है। यह जहाज ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, बराक-8 मीडियम-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, टॉरपीडो और अन्य एडवांस्ड हथियार प्रणालियों से लैस है। मल्टी-रोल ऑपरेशन के लिए डिजाइन किया गया।

स्वस्थ, जागरूक और विकसित भारत की आधारशिला है 'योग'

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश

'समत्वं योग उच्यते' अर्थात् संतुलन ही योग है...श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण का यह संदेश जहां समूचे विश्व को संतुलित करने का सूत्र है, वहीं महर्षि पतंजलि ने पतंजलि योग सूत्र में 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोध: 'के माध्यम से मानव जीवन को स्वस्थ और निरोग रहने का मार्ग प्रदान किया है।

भारत की यही सनातन योग परंपरा विश्व को शरीर, मन और आत्मा के स्तर पर संतुलित और समृद्ध बनाने का आधार है। सदियों पूर्व ऋषि-मुनियों द्वारा विकसित जीवन पद्धति आज सम्पूर्ण विश्व के लिए सुख, शांति और संतुलन का मार्ग है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि योग विश्व मानवता के कल्याण का माध्यम बन गया है।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की गई। यह निर्णय भारतीय संस्कृति और जीवन-दर्शन के प्रति विश्व समुदाय के सम्मान का प्रतीक है। दुनियाभर के 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने जीवन का हिस्सा बना चुके हैं। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक नेतृत्व का प्रमाण है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिये योग' रखी गई है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मध्यप्रदेश की पावन धरती पर आयोजित समारोह में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। उनका आगमन मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह सुखद संयोग है कि योग के वैश्विक आंदोलन में मध्यप्रदेश को विशेष भूमिका निभाने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

प्रसन्नता का विषय है कि मध्यप्रदेश सरकार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए हैं। स्वस्थ नागरिक विकसित और समृद्ध राष्ट्र का आधार है। प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए 'घर-घर योग - हर व्यक्ति निरोग' अभियान शुरू किया गया है। प्रदेश में 800 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों तथा विभिन्न चिकित्सालयों में नियमित योग गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा छोटे-छोटे समूहों में भी नागरिकों को योगाभ्यास करवाया जा रहा है। योग-सखी और योग-दूत गांव-गांव और शहर-मोहल्लों तक योग का संदेश पहुंचा रहे हैं।

प्रदेश में 12 मई से आरंभ हुआ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन 'हर घर योग अभियान' से जनभागीदारी का नया अध्याय लिख रहा है। इसी क्रम में आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन योग सत्रों का लाभ प्रदेश के लोगों को प्राप्त हो रहा है। हम सभी के लिए गौरव की बात है कि विगत दिनों इंदौर स्थित मालवांचल यूनिवर्सिटी में आयोजित योग महोत्सव में 35 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सामूहिक योग कर एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। योग 'वन अर्थ-वन हेल्थ' विचार को व्यवहार में उतारने का माध्यम है जो हमें स्वयं, समाज और प्रकृति से जोड़ता है। यह शरीर को स्वस्थ रखने के साथ जीवन को संतुलित, सार्थक और उत्कृष्ट बनाता है।

मध्यप्रदेश सरकार ने योग को पर्यावरण-संरक्षण और जनकल्याण से भी जोड़ा है। विश्व पर्यावरण दिवस से लेकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विशेष जन-अभियान संचालित किया जा रहा है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से पर्यावरण-संरक्षण और योग से स्वास्थ्य संरक्षण पर कार्य किया जा रहा है। प्रकृति और मानव स्वास्थ्य का गहरा संबंध है। योग हमें प्रकृति संग सह-अस्तित्व का जीवन जीने की प्रेरणा देता है। यही भारतीय जीवन-दर्शन का मूल तत्व भी है।

मध्यप्रदेश सरकार आयुष चिकित्सा, योग वेलनेस सेंटर, आरोग्य मंदिरों तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से योग को जनांदोलन बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक योग से लाभ प्राप्त करे और स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ाए।

मुझे यह बताते हुए हर्ष है कि मध्यप्रदेश में जनवरी 2027 में 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य और एक चेतना: समग्र कल्याण के लिए योग' विषय पर वैश्विक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इसमें मध्यप्रदेश, भारत की सभ्यतागत चेतना का वैश्विक प्रतिनिधित्व करेगा।

आज जब दुनिया तनाव, अवसाद, जीवनशैली जनित रोगों और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे समय में योग मानवता के लिए बड़ा संबल है। ऐसे यह स्वस्थ शरीर, शांत मन और सुखी जीवन का आधार है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण का संकल्प है। यह भारत की उस प्राचीन चेतना का उत्सव है, जिसने सदियों से मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। हमें गर्व है कि आज पूरी दुनिया योग को अपनाकर भारत के इस अमूल्य ज्ञान का लाभ प्राप्त कर रही है।

मैं, प्रदेश के सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजन, विद्यार्थियों, शासकीय सेवकों और सामाजिक संगठनों से आग्रह करता हूं कि वे योग गतिविधियों से जुड़ें और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। आइए, हम सभी मिलकर योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं। अपने परिवार और समाज को इससे जोड़ें तथा स्वस्थ मध्यप्रदेश, विकसित भारत और समृद्ध विश्व के निर्माण में सहभागी बनें। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक मंगलकामनाएं...

श्रीनगर : अमर सिंह कॉलेज के निलंबित प्रिंसिपल एजाज अहमद बहाल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने एक मामले की जांच के बाद मिली सिफारिशों को स्वीकार करते हुए अमर सिंह कॉलेज, श्रीनगर के निलंबित प्रिंसिपल एजाज़ अहमद हकक को तत्काल प्रभाव से बहाल कर दिया है। 20 जून, 2026 को जारी सरकारी आदेश के अनुसार, हकक को इससे पहले 7 मई को निलंबित कर दिया गया था और उन्हें उच्च शिक्षा विभाग, सिविल सचिवालय, श्रीनगर से संबद्ध (अटैच) किया गया था। निलंबन के बाद उच्च शिक्षा विभाग में सरकार के विशेष सचिव डॉ. सुभाष चंद्र ने मामले की जांच की थी।

इमरान की पार्टी के चार नेताओं को दस-दस साल की सजा, हिंसक प्रदर्शन से जुड़ा है मामला

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान की एक अदालत ने शनिवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के चार वरिष्ठ नेताओं को 2023 के दंगों से संबंधित मामले में दस-दस साल की सजा सुनाई। वहीं पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को बरी कर दिया गया। नौ मई, 2023 को पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान की गिरफ्तारी के बाद देशभर में, विशेषकर पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में, हिंसक प्रदर्शन भड़क उठे थे। प्रदर्शनकारियों ने दर्जनों सैन्य प्रतिष्ठानों और सरकारी भवनों को नुकसान पहुंचाया।

पंजाब के पूर्व गवर्नर उमर सरफराज चीमा, पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डा.यास्मिन राशिद, पंजाब के पूर्व मंत्री मियां मेहबूदुर राशिद और पूर्व सांसद एजाज चौधरी को लाहौर के मुगलपुरा क्षेत्र में पुलिस वाहनों पर हमले करने और उन्हें जलाने के मामले में दोषी ठहराया गया। इस मामले में गुरुवार को सुनवाई पूरी हो गई थी। आतंकवाद निरोधक अदालत (एटीसी) के जज मंजर अली गिल ने शनि वार को इन लोगों को सजा सुनाई।

जर्मनी के म्यूनिख में बड़ा रेल हादसा, एक की मौत

म्यूनिख। जर्मनी के म्यूनिख शहर में शनिवार को तड़के एक बड़ा रेल हादसा हो गया। जिसमें एक ओवरब्रिज पर दो मालगाड़ियां आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए और सीधे नीचे सड़क पर जा गिरे। इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। यह हादसा शनिवार देर रात करीब 1:40 बजे म्यूनिख के उत्तरी जिले मिल्बर्टशोफेन में हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही अग्निशमन विभाग और रेस्क्यू टीमों को तुरंत मौके पर रवाना किया गया।

रोहित शर्मा समेत 65 हस्तियों को मिलेगा पद्म पुरस्कार, राष्ट्रपति मुर्मु करेंगी सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में मंगलवार को टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी विजय अमृतराज, अभिनेता ममूटी, पार्श्व गायिका अलका याग्निक, क्रिकेटर रोहित शर्मा समेत 65 हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। इस समारोह में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस केटी थॉमस और मशहूर मलयालम पत्रकार पी. नारायणन को पद्मविभूषण से सम्मानित किया जाएगा। विजय अमृतराज, अभिनेता ममूटी, पार्श्व गायिका अलका याग्निक समेत सात हस्तियों को पद्मभूषण मिलेगा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्मभूषण दिया जाएगा। शिबू सोरेन के स्वजन यह सम्मान प्राप्त करेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा और हॉकी खिलाड़ी सविता पूनिया समेत 56 विभूतियों को पद्मश्री सम्मान मिलेगा। यह दूसरा नागरिक अलंकरण समारोह होगा। इससे पहले राष्ट्रपति ने 25 मई को आयोजित पहले नागरिक अलंकरण समारोह में 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए - इनमें दो पद्मविभूषण, छह पद्मभूषण और 57 पद्मश्री शामिल थे।

मेट्रो एंकर | राम मंदिर चढ़ावे में गबन का मामला, सीएम योगी आदित्यनाथ को रिपोर्ट सौंपेगी एसआईटी

अयोध्या में 60 घंटे की जांच के बाद निकली SIT की टीम

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर में चढ़ावे की जांच कर रही एसआईटी टीम अयोध्या से निकल गई है। बीते सोमवार से तीन मेंबर्स की एसआईटी अयोध्या में राम मंदिर में चंदे की चोरी की जांच में जुटी थी। एसआईटी ने 6 दिनों में 60 घंटे से ज्यादा तक मंदिर में जांच की। एसआईटी जल्द ही प्रारंभिक रिपोर्ट सीएम योगी आदित्यनाथ को सौंप सकती है। बता दें कि राम मंदिर में चढ़ावे चोरी की बात पूरे देश में चर्चा का विषय है। राम भक्त नाराज हैं और चोरों के लिए सबसे सख्त सजा चाहते हैं। दूसरी तरफ, चढ़ावा चोरी पर सरकार बहुत सख्त है। चाहे छोटा चोर हो या फिर बड़ा नाम हो, किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा, इसका ऐलान खुद सीएम योगी आदित्यनाथ कर चुके हैं।

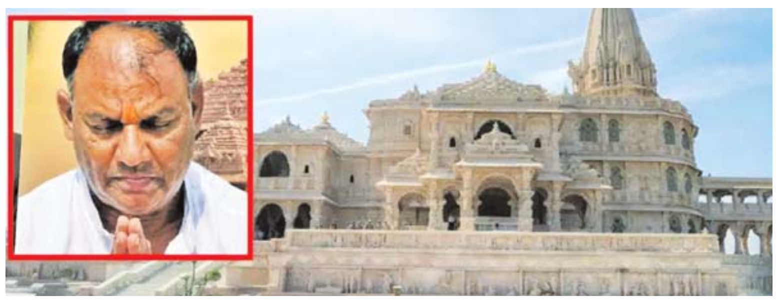

गौरतलब है कि एसआईटी ने लगातार 6वें दिन पूछताछ की। एसआईटी ने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा से पूछताछ की। इसके अलावा, गोपाल राव, टिन्नू यादव, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और चढ़ावे की गिनती में लगे ट्रस्ट और बैंक के कर्मचारियों से पूछताछ की। राम मंदिर से जो भी कर्मचारी डायरेक्ट या इन डायरेक्ट जुड़ा है, उसका भी रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। अभी तक जांच में इतना साफ हो गया है कि गड़बड़ तो हुई है। मैनेजमेंट में भी बड़ा बदलाव हो सकता है क्योंकि एसआईटी को सोने-चांदी का रिकॉर्ड भी नहीं मिला है।

एसआईटी ने देखा चढ़ावे का पूरा हिसाब-किताब

एसआईटी में लखनऊ के कमिश्नर विजय विश्वास पंत, लखनऊ रेंज के आईजी किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन कुमार शामिल हैं। जांच के दौरान, एसआईटी ने राम मंदिर परिसर में दान पात्र, सीसीटीवी, मंदिर परिसर में काउंटिंग सेंटर की जांच की। मंदिर में दान पेटी की गिनती से लेकर बैंक में जमा होने तक की प्रक्रिया की पड़ताल की। श्रद्धालु जो सोने चांदी के बेशकीमती गहने, सोने-चांदी के सिक्के भगवान को चढ़ाते हैं, मुकुट चढ़ाते हैं, उनका हिसाब-किताब कैसे होता है ये भी देखा।

यूबीसॉफ्ट के को-फाउंडर क्लॉड गिलेमोट की प्लेन क्रैश में मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

वीडियो गेम बनाने वाली बड़ी कंपनी यूबीसॉफ्ट के संस्थापकों में से एक क्लॉड गिलेमोट का फ्रांस में एक प्लेन क्रैश में 69 साल की उम्र में निधन हो गया है। यूबीसॉफ्ट ने शनिवार को एक बयान में उनके निधन की पुष्टि की और कहा कि कंपनी अपने को-फाउंडर और गिलेमोट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन के जाने से बहुत दुखी है। कंपनी ने कहा कि उनकी संवेदनाएं उनके परिवार और चाहने वालों के साथ हैं, लेकिन उन्होंने इस घटना के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। फ्रांसीसी ब्रॉडकास्टर आईसीआई ने बताया कि शुक्रवार शाम 6 बजे से कुछ देर पहले पश्चिमी फ्रांस के समुद्र तटीय शहर ला बाउल में एक सेसना 421 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो इंजन वाले इस विमान में दो लोग सवार थे और दोनों की ही दुर्घटना में मौत हो गई। आईसीआई के अनुसार, गवाहों ने बताया कि विमान ला बाउल एयरपोर्ट की ओर बढ़ रहा था तभी वह अचानक मुड़ा और क्रैश हो गया। दूसरे यात्री की पहचान अभी तक जाहिर नहीं की गई है।

1986 में की थी यूबीसॉफ्ट की शुरुआत

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564